रोहतक
रविवार, 28 सितंबर, 2025
अश्विन मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी वर्ष : 29, अंक : 239
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00
मौसम
अधि. 37.8
न्यून. 22.4
haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बेटी दिवस की शुभकामनाएं

किसानों के हित में प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

2200 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से होगा भुगतान

बाजरे पर 50 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त देगी प्रदेश सरकार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया है कि राज्य में खरीद संस्थाओं द्वारा खरीदे जा रहे बाजरे के मूल्य में 50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ोतरी करते हुए खरीद संस्थानों द्वारा बाजरे की खरीद 2200 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीद करेगी और भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत 575 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किए जाएंगे। किसानों को सरकार द्वारा खरीद किए जा रहे बाजरे पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2775 रुपये की अदायगी होगी।

बाजार भाव की समीक्षा के बाद लिया फैसला

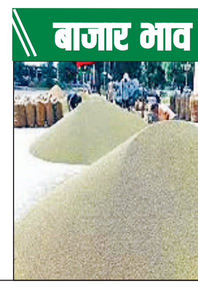

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि पहले यह राशि 2150 रुपये प्रति क्विंटल थी और भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत 625 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों के खातों में स्थानांतरित किए गए जिसके फलस्वरूप राज्य के किसानों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन की अदायगी हो रही है। उन्होंने बताया कि बाजरे के बाजार भाव की समीक्षा करने के उपरांत किसान भाइयों के हित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

सजा के बाद किए गए थे सील

रिटायर्ड प्रिंसिपलों की एक गवर्निंग बॉडी के गठन के दिए थे आदेश

स्कूल के स्टाफ को भी नहीं मिल रही थी सैलरी

राम रहीम को हाईकोर्ट से राहत, स्कूलों और अस्पतालों के बैंक खातों पर लगी रोक हटाई

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा ट्रस्ट को शिक्षण संस्थानों, अस्पताल और रोजाना खर्च के लिए बैंक खाते के संचालन की छूट दी है। इस आदेश से पहले हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा-सौदा में चल रहे 7 शिक्षण संस्थानों को चलाने के लिए हाईकोर्ट ने सिरसा के डीसी सहित डीईओ और दो सरकारी स्कूलों के रिटायर्ड प्रिंसिपलों की एक गवर्निंग बाडी के गठन के आदेश दे दिए थे। डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह को सजा होने के बाद पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर डेरा सच्चा सौदा सिरसा के सभी बैंक खाते सील कर दिए गए थे।

हाईकोर्ट में दायर की थी याचिका

डेरे के ही कई शिक्षण संस्थानों ने हाईकोर्ट में चल रहे इस मामले में अर्जी दायर कर कहा था कि डेरे के बैंक खाते सील हो जाने के चलते शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और अन्य स्टाफ सहित अस्पताल के डाक्टरों और अन्य स्टाफ को वेतन नहीं जारी किया जा रहा है। डेरे के स्कूलों में कई बच्चे पढ़ रहे हैं अगर समय पर स्टाफ को वेतन नहीं दिया गया तो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा।

गुरुग्राम में सुबह 4 :30 बजे भीषण हादसा

तेज रफ्तार थॉर डिवाइडर से टकराई, पांच की मौत

गुरुग्राम के एक क्लब में पार्टी करने के लिए आए थे युवक-युवतियां

गुरुग्राम (हरिभूमि न्यूज)। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर शनिवार की सुबह करीब 4.30 बजे तेज रफ्तार थॉर के डिवाइडर से टकराने पर थॉर में सवार तीन युवतियों सहित पांच की मौत हो गई। जबकि एक युवक अस्पताल में भर्ती है। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी युवक-युवतियां नोएडा से गुड़गांव के एक क्लब में पार्टी करने के लिए आए थे। सूचना मिलते ही सेक्टर-40 थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से थॉर गाड़ी को हटवाया। जानकारी अनुसार शुक्रवार की रात को नोएडा से आदित्य प्रताप सिंह, गौतम, प्रतिष्ठा मिश्रा, लावण्या, अदिती सोनी व कपिल शर्मा एक थॉर गाड़ी में सवार होकर गुड़गांव के सिग्नेचर टॉवर स्थित इबोला क्लब में आए थे। माना जा रहा है कि क्लब में उन्होंने ड्रिंक की थी और नशे की हालत में गाड़ी लेकर सुबह करीब 4.12 पर क्लब से वापस नोएडा के लिए निकल पड़े।

- कुल 6 लोग थे सवार
- मृतकों में तीन युवतियां

एक छात्रा जज की बेटी

हादसे में मरने वालों में उत्तर प्रदेश के रायबरेली निवासी प्रतिष्ठा मिश्रा और आगरा (उत्तर प्रदेश) के शास्त्री पुरम निवासी लावण्या ग्रेटर नोएडा के लॉयड लॉ कॉलेज में एलएलबी द्वितीय वर्ष में पढ़ रही थीं और कॉलेज के ही हॉस्टल में रहती थीं। प्रतिष्ठा मिश्रा के पिता चंद्रमणि मिश्रा राय बरेली में जज हैं। वहीं, लावण्या के पिता आइटीबीपी में इंस्पेक्टर हैं और वर्तमान में सिक्किम में तैनात हैं। जबकि दिल्ली के ग्रेटर कैलाश निवासी अदिती सोनी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित एक कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी।

पीएम मोदी ने ओड़िशा से किया उद्घाटन

बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क की शुरुआत

97,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावरों का उद्घाटन किया

37,000 करोड़ रुपये खर्च हुए टावर निर्माण पर

भाषा ▶▶| झारसुगुड़ा (ओडिशा)

दूरसंचार अवसंरचना को मजबूती देते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया, जिससे भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले प्रतिष्ठित देशों की सूची में शामिल हो गया। बीएसएनएल की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री ने 97,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावरों का भी उद्घाटन किया, जिनमें से 92,600 टावर इसी टेलीकॉम सेवा प्रदाता की 4जी तकनीक से लैस हैं। इन टावरों का निर्माण लगभग 37,000 करोड़ रुपये की लागत से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के साथ किया गया है। मोदी ने कहा कि भारत का डेनमार्क, स्वीडन, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों की श्रेणी में प्रवेश हो गया है।

दो करोड़ से ज़्यादा लोगों को फ़ायदा

उन्होंने कहा कि जब 2जी, 3जी और 4जी जैसी दूरसंचार सेवाएं वैश्विक स्तर पर शुरू की गईं और भारत इन सेवाओं के लिए विदेशी प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहा, "अब भारत वैश्विक दूरसंचार विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है"। प्रधानमंत्री ने कहा कि 4जी तकनीक के विस्तार से देश भर में दो करोड़ से ज़्यादा लोगों को सीधा फ़ायदा होगा। मोदी ने कहा, "लगभग 30,000 गांव, जहां पहले हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधा नहीं थी, अब इस पहल से जुड़ जाएंगे।

खबर संक्षेप

गर्भवती महिलाओं पर नजर रखेंगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

चंडीगढ़। सूबे में सेहत विभाग की टीमें और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लिंगानुपात को ऊपर उठाने के लिए अब और ज्यादा सतर्कता से काम करेंगे। गर्भवती महिलाओं और जिन परिवारों में लड़कियां ही लड़कियां है, उन पर ज्यादा नजर रखी जा रही है। गर्भपात और अल्ट्रासाउंड को लेकर भी एहतियात बरती जा रही है। विभाग प्रमुख आला अफसरों ने लिंगानुपात को सुधारने के लिए खासी मुहिम चला दी है। सरकार ने नई कार्ययोजना बनाई है। गांव और शहरों के पिछड़े क्षेत्रों में करीब 21 हजार गर्भवती महिलाएं चिह्नित की गई हैं।

वेरिफिकेशन न होने से अटकी खरीद : चौधरी

चंडीगढ़। लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि मंडियों में फसल की आवक जोरों पर है, लेकिन खरीद अटकी हुई है। इसका कारण पोर्टल पर फसल की वेरिफिकेशन न होना है। फसल की वेरीफिकेशन होने के चलते न तो किसानों के गेट पास कट रहे हैं और न ही उन्हें एमएसपी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से धान खरीदने का वादा किया था, लेकिन आज मंडियों में 3100 रुपये तो दूर, किसानों को एमएसपी भी नहीं मिल पा रहा है।

एडेड कॉलेजों के कर्मियों ने दिया धरना

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश के 97 सरकारी सहायता प्राप्त (ऐडिड) महाविद्यालयों के शिक्षक और गैर-शैक्षिक कर्मचारियों ने आज काले बिल्ले लगाकर धरना-प्रदर्शन किया। धरने का मुख्य उद्देश्य लंबित वेतन, एचआरए, ग्रेच्युटी और अन्य सुविधाओं की मांग को सरकार तक पहुंचाना रहा। कर्मचारियों ने कहा कि वर्षों से बार-बार मांगें उठाए जाने के बावजूद समाधान नहीं हुआ।

सीआईएसएफ जवानों के बच्चों को मिलेगी छात्रवृत्ति

चंडीगढ़। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपने कर्मियों के कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डीजी मेरिट छात्रवृत्ति योजना में एक बड़े सुधार को मंजूरी दी है, जिससे शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सीआईएसएफ कर्मियों के सभी वार्ड्स (बच्चों) को इसका लाभ मिलेगा। सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक अजय दहिया ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए नए मानदंडों के तहत कुल 567 छात्र लाभान्वित हुए हैं। बल ने प्रति वर्ष केवल 150 वार्ड को छात्रवृत्ति देने के पहले की सीमा को समाप्त कर दिया है।

बाजरे और धान की खरीद को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा धान की खरीद सुचारू रूप से जारी

मंडियों में नोडल अधिकारी नियुक्त उपायुक्त ग्राउंड रिपोर्ट तैयार करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि धान की खरीद सुचारू रूप से जारी है। मंडियों में इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगाकर खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जा रही है। जिला प्रशासन ने धान खरीद की निगरानी के लिए विशेष अधिकारी की नियुक्ति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के समय किसानों को फसल नुकसान का उचित मुआवजा नहीं मिलता था, जबकि वर्तमान सरकार ने समय पर क्षति-पूर्ति सुनिश्चित की है। इस बार पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले किसानों को जल्दी ही जांच के बाद मुआवजा राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। जिला उपायुक्तों स्वयं मंडियों का दौरा कर ग्राउंड रिपोर्ट लेने और स्थिति का जायजा लेने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही जिला उपायुक्तों को गेट पास, पोर्टल और उठान संबंधी प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। मार्केटिंग बोर्ड के चीफ एडमिनिस्ट्रेटर, निदेशक खाद्य आपूर्ति, हैफेड और कॉनफैड प्रबंध निदेशक, तथा वेयरहाउसिंग के प्रबंध निदेशक को व्यक्तिगत रूप से सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए है।

गेट पास, पोर्टल और उठान को लेकर विशेष तैयारी

खरीद में लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

चंडीगढ़। सरकार ने धान की फसल की खरीद प्रक्रिया के दौरान मंडियों में आ रही शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लिया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इस संबंध में शुक्रवार को दिशा निर्देश दिए थे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं। धान की खरीद प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो और मंडियों में सभी प्रक्रियाएं पारदर्शी और सुगम रहें।

मंडियों की प्रगति रिपोर्ट देनी होगी

मुख्य सचिव सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए कहा गया है। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें। इसके अतिरिक्त, मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार ने किसानों से भी अपील की है कि वे किसी भी समस्या के मामले में स्थानीय मंडी अधिकारियों या जिला उपायुक्त कार्यालय से संपर्क करें।

किसानों से हो रही लूट- मंडियों में किसानों को नहीं मिल रहा रेट

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि भाजपा सरकार ने एक बार फिर किसानों के साथ भारी लूट शुरू की है। सरकारी खरीद नहीं होने के कारण मंडियों में किसानों को अपनी धान 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल कम रेट पर बेचनी पड़ रही है। नमी का बहाना बनाकर सरकारी एजेंसियां खरीद से इनकार कर रही हैं, जिससे किसानों को कई दिन-रात इंतजार करना पड़ रहा है। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने चुनाव से पहले धान के किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का रेट देने का वादा किया था, लेकिन न पिछले सीजन में और न ही इस सीजन में यह वादा पूरा हुआ। आज प्रदेश की मंडियों में धान की आवक तेज है, लेकिन खरीद न होने से किसान भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। ज्यादातर मंडियों में खरीद शुरू ही नहीं हुई है। कई जगह पोर्टल पर वेरिफिकेशन न होने के कारण गेट पास नहीं बन पा रहे हैं। कहीं राइस मिलर्स के रजिस्ट्रेशन न होने की वजह से दिक्कत आ रही है। इस सारी व्यवस्था का लाभ प्राइवेट एजेंसियाँ उठा रही हैं। 2,369 रुपये एमएसपी की धान को 1,900 से 2,000 रुपये प्रति क्विंटल के रेट पर खरीदा जा रहा है। एमएसपी पर खरीद के साथ बोनस दिया जाए।

डीएपी के लिए भटक रहे - पैक्स से वितरण सुनिश्चित करवाए सरकार

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने कहा कि जब मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल के माध्यम से सरकार के पास पैदा होने वाली फसलों का पूरा विवरण क्षेत्रफल सहित आ जाता है तो उसे उसी हिसाब से डीएपी खाद का प्रबंध कर गांव में पैक्स पर ही वितरण करना चाहिए ताकि किसान को खाद के लिए शहर में आकर दिन-रात कतार में न लगना पड़े। आज हालात ये है कि प्रदेश में किसान गेंहू की बिजाई के लिए डीएपी खाद को लेकर धक्के खा रहा है जबकि कालाबाजारी में खाद आसानी से मिल रही है। सरकारी एजेंसी पर आधार कार्ड पर एक किसान को मात्र चार ही बैग खाद दी जा रही है बाकी खाद ब्लैक में खरीदने के लिए अधिकारी किसान को मजबूर कर रहे है। सांसद सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के हर जिला में डीएपी और यूरिया खाद की कमी को लेकर किसानों में भारी रोष है और वे सड़को पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि कृषि मंत्री ने स्थिति को सामान्य बताते हुए आपूर्ति सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर नजर रखने का दावा किया है। सरकार को दावा करने के बजाए धरातल पर उतरकर खाद का वितरण सुनिश्चत करना चाहिए। किसानों को खाद समय पर और उचित मात्रा में मिलनी चाहिए ताकि फसलें खराब न हों।

इंटरसॉफ्ट कंपनी ने मुख्यमंत्री को भेंट किए 36 लाख

सरस्वती नदी के पुनरुद्धार में जनसहयोग और निजी क्षेत्र की भागीदारी प्रेरणादायक

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री यब सिंह सैनी को इंटरसॉफ्ट कंपनी निदेशक संदीप पासे ने सरस्वती नदी के जीर्णोद्धार के लिए 36 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। यह राशि कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत सरस्वती हैरिटेज विकास बोर्ड को सौंपी गई है।मुख्यमंत्री ने इस योगदान के लिए संदीप पासे का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सहयोग राज्य की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में निजी भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि लुप्त हो चुकी सरस्वती नदी का पुनरुद्धार सरकार की प्राथमिकता में शामिल है और इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

विरासत सहेजना जरूरी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेज कर रखना भी है। सरस्वती नदी के पुनरुद्धार के कार्य में जनसहयोग और निजी क्षेत्र की भागीदारी एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

विधायी प्रारूपण तैयार करने में दक्ष हों अधिकारी व कर्मचारी : घोष

कानून लोकतंत्र की रीढ़, इसके बिना नागरिकों के अधिकारों की रक्षा असंभव : राज्यपाल

चंडीगढ़। राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने कहा कि कानून लोकतंत्र की रीढ़ है, लेकिन इसकी असली ताकत इस बात में निहित है कि इसे कितनी स्पष्ट और प्रभावी ढंग से तैयार किया जाता है। विधायी प्रारूपण केवल शब्दों को कागज पर उतारना नहीं है, बल्कि यह न्याय को जीवंत व शासन को सुदृढ़ करने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के बारे में है। एक अच्छी तरह से तैयार किया गया कानून स्पष्ट, एकरूपता और निष्पक्षता सुनिश्चित करता है। राज्यपाल शनिवार को हरियाणा विधानसभा व लोकसभा की संविधान एवं संसदीय अध्ययन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान में विधायी प्रारूपों एवं संवर्धन विषय पर हरियाणा विधानसभा व अन्य विभागों के कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

कर्मचारियों की भूमिका अहम

राज्यपाल ने कहा कि विधायी प्रारूपण भी एक लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। एक चुना हुआ जनप्रतिनिधि (विधायक) जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है। वहीं, विधायी प्रारूपण को तैयार करने में लगे अधिकारी व कर्मचारी भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए उनमें दक्षता व कौशलता होनी चाहिए।

नूंह में रेड करने गई पुलिस टीम पर पथराव के बाद फायरिंग

नूंह। जिले के पुन्हाना थाना क्षेत्र के इंदाना गांव में शनिवार को तावडू और पूनहाना सीआईए स्टाफ ने संयुक्त रूप से एक रेड की कार्रवाई की। यह रेड पंजाब से लाई गई एक गाड़ी के मामले से जुड़ी थी, जिसमें आजाद पुत्र सुबे खान शाहिद पुत्र खुर्शीद और शाहरुख पुत्र महमूद आरोपी शामिल बताए जा रहे हैं। घटना के दौरान गांव वालों ने पुलिस पर पथराव किया और हवाई फायरिंग भी की, जिससे पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचा। बाद में दोबारा रेड के दौरान पुन्हाना थाना प्रबंधक भी मौके पर पहुंचे और 14 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया।

आरोपी भाग निकला

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रेड सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुई, जब पुलिस टीम आजाद के घर पर पहुंची। आरोपी आजाद को देखते ही मौके से भाग निकला, जबकि उसके घर की महिलाओं ने पुलिस के साथ बदतमीजी की। महिला पुलिसकर्मियों की मदद से एक महिला को हिरासत में लिया गया। इसी बात को लेकर पूरे मौहल्ला के लोग इकट्ठा हो गए, पथराव के बाद फायरिंग की गई।

जेजेपी नेता प्रदेश के दौरे पर, 15 जिलों के लिए कार्यक्रम घोषित

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने अपनी गतिविधियां तेज करते हुए 15 जिलों में पार्टी की जिला बैठकों और जनसंपर्क के कार्यक्रम घोषित किए है। 28 सितंबर से जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा प्रदेशभर का दौरा करेंगे। अभियान के तहत वे सभी 22 जिलों में जाकर जेजेपी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और संगठन मजबूती पर फोकस करेंगे। इस दौरान जेजेपी नेता आम लोगों से जनसंपर्क करके भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को भी उजागर करेंगे। रविवार से जेजेपी इन कार्यक्रमों की शुरुआत करेगी। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता 28 सितंबर को जींद, 29 सितंबर को झज्जर, 30 सितंबर को महेंद्रगढ़ व अन्य जिलों का दौरा करेंगे।

हरियाणा में हैट्रिक की व्यूह रचना करने वाले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जिम्मेदारी

भाजपा सीट वाइज रणनीति कर रही तैयार, सोशल इंजीनियरिंग पर पार्टी का फोकस

बिहार की धरती पर कमल खिलाने उतरेंगे प्रदेश के दिग्गज, ड्यूटी लगनी शुरू, मंत्री भी प्रचार करेंगे

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा के सियासी दिग्गज नेता बिहार के विधानसभा चुनावों में फतेह दिलाने के लिए एक बार फिर से हरियाणा भाजपा संगठन से जुड़े सियासी दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री चुनावों में विजयश्री दिलाने के लिए मैदान में उतारे जाएंगे। इसके लिए अभी से ड्यूटी लगाई जा रहीं हैं। अहम बात यह है कि हरियाणा में फतेह और हैट्रिक की रणनीति बनाने वाले धर्मेंद्र प्रधान को एक बार फिर से बिहार की जिम्मेदारी दी गई है। धर्मेंद्र प्रधान हरियाणा से भी आने वाले वक्त में हरियाणा के नेताओं को सोशल इंजीनियरिंग का गणित बैठाने के लिए बारी बारी से बुलाएंगे। बात बिहार विस चुनावों की करें, तो नए चुनाव प्रभारी के तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर विश्वास जताते हुए भाजपा राष्ट्रीय हाईकमान की ओर से नियुक्ति करते हुए आदेश जारी कर दिए गए हैं।

असीम गोयल को अहम जिम्मेदारी -बिहार के अहम चार जिलों में प्रचार व अन्य जिम्मेदारी संभालेंगे

खास बात यहां पर यह है कि कई राज्यों का बतौर चुनाव प्रभारी रहते हुए उन्होंने भाजपा का परचम लहराने का काम किया है। इतना ही नहीं हरियाणा की हैट्रिक लगाए जाने के पीछे भी उनकी रणनीति काम आई। इसके अलावा यूपी, ओडिशा में भी सफलता का श्रेय उनको दिया जा रहा है। धर्मेंद्र प्रधान को पार्टी ने अब बिहार में फतेह के लिए उतारने का फैसला किया है। वैसे, भी बिहार में एनडीए गठबंधन में मतभेद और नेताओं में कोई भी शीतयुद्ध वाली बात होने पर प्रधान ही उसका तोड़ निकालते रहे हैं। इसमें अहम पहलू यह भी है कि प्रधान की नीतीश कुमार से ठीक ठाक बातचीत रही है। इसके पीछे प्रधान के पिता देबेंद्र प्रधान से नीतीश कुमार के व्यक्तिगत संबंधों को भी माना जाता रहा है। प्रधान को बिहार में फतेह के लिए एक बार फिर से 'बैटन' थमाई गई है। जिसके बाद में अब कांग्रेस और बाकी पार्टियों ने भी अपनी रणनीति पर विचार शुरु कर दिया है। भाजपा ने पूर्व मंत्री अंबाला शहर से नेता असीम गोयल को फिलहाल, चार जिलों की जिम्मेदारी बिहार विस चुनावों के लेकर दी है। इसी तरह से कुछ अन्य नेताओं को भेजे जाने पर भी मंथन के साथ ही कुछ चेहरों को मैदान में उतारने का होमवर्क पूर्ण हो चुका है।

प्रधान की काट निकालना विपक्ष के लिए चुनौती उत्तरप्रदेश सहित अन्य प्रदेशों से पहुंच रहे नेता

बिहार विधानसभा चुनाव में कड़े मुकाबले और कांग्रेस की काट के लिए तोड़ प्रधान के पास ही है। प्रमुख घटक कांग्रेस की कार्य समिति (सीडब्लूसी) बैठक बुधवार को पटना में हुई और तेलंगाना में भी सीडब्लूसी की बैठक हुई थी। जहां पर कांग्रेस सरकार बनाने में कामयाब रही। वैसे, यह दशकों बाद इस तरह का मौका है जब कांग्रेस ने पटना में बैठक की है। कुल मिलाकर धर्मेंद्र प्रधान के साथ में उन्हें सह प्रभारी के तौर पर सीआर पाटिल और केशव प्रसाद मौर्य मैदान में रहेंगे। प्रधान भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं। प्रधान को उत्तर प्रदेश (2022 विधानसभा चुनाव): चुनाव प्रभारी बनाया गया था। भाजपा ने 403 सीटों वाली विधानसभा में 255 सीटें जीत कर पूर्ण बहुमत हासिल किया। ओडिशा (2024 लोकसभा और विधानसभा चुनाव): में सरकार बनना उपलब्धि थी। प्रधान खुद ही ओडिशा से हैं, उन्होंने स्थानीय मुद्दों पर फोकस करते हुए पार्टी को 20 लोकसभा सीटें और 78 विधानसभा सीटें दिलाईं। हरियाणा (2024 विधानसभा चुनाव): सारे दावों के बाद भी भाजपा ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई, वो भी 48 सीटें जीत ली ।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आए समाजः नरबीर

चंडीगढ़। वन एवं वन्य जीव विभाग तथा इस्कॉन संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को गुरुग्राम के गांव भौंडसी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने शिरकत की और ग्रामीणों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। कार्यक्रम में सोहना के विधायक जपाल तंवर भी मौजूद रहे।उन्होंने अपने संबोधन में नागरिकों से आह्वान किया कि वे केवल पौधा लगाने तक ही सीमित न रहें, बल्कि उसकी देखभाल भी करें।

संगोष्ठी व परिचय सम्मेलन दो को पंचकूला में

पंचकूला। जाट सभा चंडीगढ़/पंचकूला द्वारा आगामी 2 अक्टूबर को पंचकूला के सेक्टर 6 स्थित जाट भवन में जाट परिवार परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में विवाह के योग्य युवक-युवतियां तथा उनके अभिभावक भाग लेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए आज एक बैठक का आयोजन किया गया।कार्यक्रम सहसंयोजक राकेश गिल ने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश परिवार नौकरी एवं व्यवसाय के कारण शहरों में बस गए हैं। ऐसे में योग्य वर-वधु की तलाश परिवारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जाट सभा हर वर्ष परिचय सम्मेलन का आयोजन करती है।

Model Economic Township Limited

पंजीकृत कार्यालयः तृतीय तल, 77–बी, इफको रोड़, सैक्टर – 18, गुरूग्राम – 122015, हरियाणा
फोनः 0124–352 7369
CIN: U70109HR2006PLC036416

सार्वजनिक सूचना

मॉडल इकोनोमिक टाउनशिप लिमिटेड (डेवलपर) एक औद्योगिक कॉलोनी लेआउट प्लान एरिया 101.3125 एकड़, गाँव दरियापुर, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा में महानिदेशक, टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग डिपार्टमैन्ट, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़ द्वारा प्रदत्त लाइसैंस नम्बर 222 ऑफ 2023 के अनुसार विकसित कर रहा है। कॉलोनी का महानिदेशक, टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग डिपार्टमैन्ट, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़ द्वारा पहले अप्रूवड फेजिंग प्लान को डेवलपर द्वारा अब संशोधित किया जाना प्रस्तावित है।

महानिदेशक, टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग डिपार्टमैन्ट, हरियाणा सरकार, चण्ड़ीगढ़ ने अप्रूवड फेजिंग प्लान में प्रस्तावित संशोधन की अनुमति के लिये एक पूर्व शर्त रखी है जिसके अनुसार डेवलपर सार्वजनिक सूचना द्वारा अप्रूवड फेजिंग प्लान के संशोधन के बारे में सभी वर्तमान अलाटियों को आपत्ति दर्ज करने के लिये सूचित करे।

अतः प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के द्वारा सभी वर्तमान अलाटियों को उक्त कॉलोनी के अप्रूवड फेजिंग प्लान में प्रस्तावित संशोधन बारे आपत्ति दर्ज करने के लिये आमन्त्रित किया जाता है। पहले अप्रूवड फेजिंग प्लान ड्राईग नम्बर डी.जी.टी.सी.पी. 9758 दिनांक 30.10.2023 एवं अब प्रस्तावित संशोधित फेजिंग प्लान ड्राईंग नम्बर डी.टी.सी.पी. 11436 दिनांक 10.09.2025 जिसमें पहले अप्रूवड फेजिंग प्लान में होने वाले संशोधन को दर्शाया गया है, की कॉपियाँ डेवलपर की वेबसाइट www.modeleconomictownship.com एवं डेवलपर के साईट ऑफिस एवं उपरोक्त वर्णित पंजीकृत कार्यालय एवं सीनियर टाउन प्लानर, सैक्टर – 1, रोहतक, हरियाणा के कार्यालय में अवलोकन हेतु उपलब्ध हैं।

यदि किसी वर्तमान अलाटी को उक्त अप्रूवड फेजिंग प्लान संशोधन होने बारे कोई आपत्ति है तो वह अलाटी सीनियर टाउन प्लानर, सैक्टर 1, रोहतक के कार्यालय में प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करवाएं अन्यथा यह समझा जाएगा कि किसी भी वर्तमान अलाटियों को इस सन्दर्भ में कोई आपत्ति नहीं है।

श्रीवल्लभ गोयल
पूर्णकालीन निदेशक
कृते मॉडल इकोनोमिक टाउनशिप लिमिटेड

दिनांक : 27.09.2025
स्थान : गुरूग्राम

www.modeleconomictownship.com

CH. DEVI LAL COOP. SUGAR MILLS LTD., GOHANA.

Tender Notice

Contact Numbers: 9050001542 (SSM)
9813819264(C.E) 8199040406 (APO)

Online tenders are invited from Manufacturers / Traders/Authorized Distributors /Experienced (Sugar) Exporters for following items.

1. Purchase of S.S. Wire netting
2. Unloading and shifting of Lime & Sulpher. Season 2025-26.
3. Cane transportation and loading for the season 2025-26.
4. Purchase of Anti Foam.
5. Purchase of Anti Scalent.
6. Purchase of Boiler Chemical
7. Purchase of Colour Precipitant & Colour Wash.
8. Purchase of Fire Wood.
9. Purchase of Melt clarification system chemical and operation during season 2025-26.
10. Purchase of Process chemical.
11. Purchase of Floculent Magna Floc 1T-27
12. Purchase of Heavy chemical.
13. Contract for running Effluent Treatment Plant, Running of Environmental Lab, running of Air Ambient Quality Monitaring System Machines 3 Nos. for crushing season 2025-26.
14. Purchase of Dextran Reducer U.B.C. 1101.
15. Contract for Cleaning of H.E.V. wet Scrubber system & Ash removal in season 2025-26.
16. Purchase of Lab chemical & Lab Apparatus
17. Purchase of Viscosity Reducer and Biocide Dithia.
18. Purchase of Nickle screen
19. purchase of Black Ploythin Sheet & Number Tag.
20. purchase of Industrial Gas (Oxygen)
21. Purchase of Employee Uniform.
22. Contract for Mechanical Fabrication & Erection Jobs
23. Tube cleaning of all evaporator bodies, pans and juice heaters during the season 2025-26.
24. Sale of Molasses.
25. Contract for Shifting & Feeding of Bagasse during season 2025-26.
26. Contract for cleaning Mill House Bed, Both cane carrier & juice screen during season 2025-26
27. Purchase of VFD Module ACS (Make Amtech).
28. Purchase of General Items.
29. Turbine spare (Make Triveni)
30. AMC of Computer Hardware and Networking.
31. Purchase of computer systems and allied items.
32. Civil Job Work water proofing treatment of drier house roof.
33. Providing and laying 100 mm thick paver block at Cane Purchase Centre Bhainswal kalan.
34. Supply and installation of flow meter. SPM analyzer for air emission and piezometer with telemetry system

The online tenders can be submitted on Haryana E-procurement website https://etenders.hry.nic.in/. On line (E-Tendering) tenders completed in all respects should be filed / submitted **latest by 06/10/2025 up to 12:00 P.M** on this site. All bidder firms should file / submit both their technical as well as financial bids through online mode on this website. **Tenders will be opened on 12:30 PM of 06/10/2025.** Undersigned reserves the right to cancel / reject any / all tenders without assigning any reason thereof. **The negotiations will be held on 08/10/2025 at 12-30 PM in BOA meeting.**

Sd/-Managing Director

रोहतक
रविवार, 28 सितंबर, 2025
अश्विन मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी वर्ष : 29, अंक : 239
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00
मौसम
अधि. 37.8
न्यून. 22.4
haribhoomi.com
हरिभूमि
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

तमिलनाडु के करूर में आयोजित टीम विजय कझगम रैली में भारी भीड़ के कारण अफरा-तफरी

अभिनेता विजय की रैली में मची भगदड़, 36 लोगों की मौत, भीड़ पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/करूर

तमिलनाडु के करूर में आयोजित टीवीके (टीम विजय कझगम) रैली में शनिवार को भारी भीड़ के कारण अफरा-तफरी मच गई। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, इससे हालात बिगड़ गए और भगदड़ मच गई। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में 16 महिलाएं और 8 बच्चे हैं। 58 से ज्यादा लोग घायल हैं। कई कार्यकर्ता बेहोश हो गए, जिन्हें तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। कई बच्चों को भी बेहोशी के कारण भर्ती किया गया। यह घटना तब हुई जब विजय करूर में भाषण दे रहे थे। टीवीके प्रमुख विजय ने अपना भाषण बीच में रोक दिया और कार्यकर्ताओं को पानी की बोतलें दीं। उन्होंने भीड़ से एंबुलेंस के लिए रास्ता बनाने का आग्रह किया। इस दौरान, रैली में 9 साल की एक बच्ची लापता हो गई, जिसे तलाशने के लिए विजय ने कार्यकर्ताओं से मदद मांगी। रैली स्थल पर मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई।

मृतकों में 16 महिलाएं और 8 बच्चे, 58 से ज्यादा घायल

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना पर जताई गहरी चिंता और तत्काल मदद और जांच के निर्देश दिए

पीड़ित परिजनों को भगवान शक्ति दे : मोदी

हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अपनों को खोने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं है। ईश्वर उन्हें यह दुख सहने की शक्ति दे।
गृह मंत्रायल ने मांगी रिपोर्ट: *भगदड़ के बाद बिगड़े हालात और बचाव और राहत कार्यों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार से रिपोर्ट मांगी है।*
10-10 लाख मुआवजा : *राज्य सरकार भगदड़ के मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख और घायलों को एक-एक लाख मुआवजा देगी। पुलिस ने टीवीके के जिला सचिव के खिलाफ दर्ज कर लिया है।*

स्वच्छ शहर जोड़ी पहल का शुभारंभ...

प्रदेश के शहरों में स्वच्छता को लेकर होगा मुकाबला

- यह पहल देशभर में अग्रणी भूमिका निभाएगी
- करनाल सोनीपत नगर निगम से योजना शुरू
- सीएम बोले- अन्य शहरों को मिलेगा मार्गदर्शन
- स्वच्छता प्रतियोगिता से शहर होंगे हरे-भरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल/सोनीपत

प्रदेश के शहरों में अब स्वच्छता को लेकर मुकाबला होगा। करनाल और सोनीपत से शनिवार को एक नई पहल की शुरूआत हुई। करनाल में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ शहर जोड़ी पहल का शुभारंभ हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहे। स्वच्छता मार्गदर्शन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, सोनीपत में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल वीडियो कॉफ्रिंग के जरिए जुड़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में स्वच्छ भारत मिशन शुरू कर उस सपने को साकार करने का कार्य आगे बढ़ाया है। वहीं, सीएम सैनी ने बताया कि शहरों को साफ व सुन्दर बनाने के लिए स्वच्छता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि करनाल और सोनीपत नगर निगम 5-5 छोटे शहरों को मार्गदर्शन और सहयोग देंगे। करनाल नगर निगम सीवन, ईस्माइलाबाद, कालांवाली, नारनौंद और राजौंद नगर पालिकाओं को मार्गदर्शन देगा। जबकि सोनीपत नगर निगम पटौदी, फरूखनगर, कुंडली, नारनौल और होडल नगर पालिकाओं को सहयोग करेगा।

72 मेंटर और 200 मेंटी शहरों की जोड़ी

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत देशभर में 72 मेंटर शहर और करीब 200 मेंटी शहर जोड़े गए हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों को मेंटर बनाया गया है, जबकि सुधार की आवश्यकता वाले शहरों को मेंटी चुना गया है। यह चयन हाल ही में हुए स्वच्छ सर्वेक्षण के आधार पर किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल शहरी कचरा प्रबंधन क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा "सिटी-ट्विनिंग मॉडल" बनेगी।

खबर संक्षेप

21वीं किस्त जारी, 27 लाख किसानों को दिया तोहफा

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को भारत सरकार चलाती है और इस योजना का लाभ सीधे तौर पर सिर्फ और सिर्फ उन किसानों को दिया जाता है, जो इस योजना के लिए पात्र होते हैं। इसके बाद इन किसानों को साल में तीन बार 2-2 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है। जैसे, अब तक कुल 20 किस्त जारी कर दी गई है। यह 21वीं किस्त जारी की है। भाषा

कुख्यात आतंकी 'पिंडी' को लाया गया भारत

अमृतसर। पंजाब पुलिस बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के कुख्यात आतंकी परविंदर सिंह उर्फ 'पिंडी' को भारत लेकर आई है। यह अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में छिपा बैठा था। केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से यह प्रत्यर्पण करवाया गया। अमृतसर एयरपोर्ट से पुलिस आतंकी को बटाला ले गई। पिंडी बटाला-गुरदासपुर क्षेत्र में पेट्रोल बम हमलों, हिंसक वारदातों और जबरन वसूली जैसे अपराधों में वांटेड था। *एजेंसी*

लद्दाख के डीजीपी जामवाल बोले, पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के संपर्क में है सोनम

भाषण लोगों को उकसाने वाले, उन्होंने अरब क्रांति और नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में अशांति का जिक्र भी किया

विदेशी चंदा अधिनियम के उल्लंघन की जांच जारी

सोनम वांगचुक हिंसा के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान से संबंधों की जांच शुरू

डीजीपी बोले, भड़काऊ वीडियो और बयानों के जरिए शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की गई। इसी के चलते बुधवार को हिंसा हुई, जिसमें कई जानें गईं।"

भाषा ▶▶| लेह

लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एस.डी. सिंह जामवाल ने शनिवार को कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के विरोध-प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेजने वाले एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की पिछले माह हुई गिरफ्तारी के संदर्भ में, पुलिस वांगचुक के पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच कर रही है। जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। वांगचुक को शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लेकर राजस्थान के जोधपुर की एक जेल में भेज दिया गया। जामवाल ने संवाददाताओं को बताया, "जांच (वांगचुक के खिलाफ) में क्या पाया गया है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

वांगचुक पर एनएसए लगा जोधपुर जेल भेजा गया

60 लोग गिरफ्तार किए जिनमें 6 षड़यंत्रकारी

वांगचुक का था अपना एजेंडा

उन्होंने कहा, "उनका (वांगचुक का) अपना एक एजेंडा था। उनके खिलाफ विदेशी चंदा और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन की जांच जारी है। एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट हमारी हिरासत में है, जो वांगचुक के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेज रहा था।" पुलिस प्रमुख ने वांगचुक की कुछ विदेश यात्राओं को संदिग्ध बताते हुए कहा, "उन्होंने पाकिस्तान में द डॉन (पाकिस्तानी समाचार पत्र) के एक कार्यक्रम में भाग लिया और बांग्लादेश भी गए।'

बरेली बवाल के बाद तनावपूर्ण हालात

तौकीर समेत 8 गए जेल, 10 मुकदमे दर्ज और इंटरनेट बंद

बरेली (एजेंसी)। बरेली में जुमे पर 'आई लव मोहम्मद' को लेकर बवाल के बाद पुलिस ने शनिवार को मौलाना तौकीर रजा खां समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आठों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि जुमे की नमाज के बाद अलग-अलग जगहों पर हिंसक प्रदर्शन किया। इसमें अब तक कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, थाना किला, प्रेमनगर और कैंट में एक-एक एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस 39 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बवाल के बाद मौलाना तौकीर रजा खां ने शुक्रवार रात 10:20 बजे वीडियो जारी कर कहा है कि अतीक और अशरफ की तरह मुझे गोली मार दो, मोहम्मद के नाम पर मरना कबूल है। उन्होंने कहा कि वे अब तक नजरबंद हैं।

नूंह में हादसा: जोहड़ में डूबने से दो महिला और दो बच्चों की मौत

नूंह। जिले के सालाहेडी गांव में शनिवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। हादसा दोपहर 2 बजे के बाद गांव के एक खेत के पास बने जोहड़ में हुई, जहां मिट्टी की खुदाई के कारण जलभराव हो गया था। दो महिलाएं कपड़े धोने के लिए इस जोहड़ पर गई थीं, उनके साथ दो बच्चे भी थे। अचानक बच्चे गहरे पानी में डूबने लगे, जिन्हें बचाने की कोशिश में दोनों महिलाएं भी डूब गईं। इस हादसे में दो महिलाओं और दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जिससे गांव में मातम छा गया।

अचानक भरा पानी

महिलाएं कपड़े धोने के लिए बच्चों को भी ले गई थी साथ

स्थानीय लोगों ने बताया कि जोहड़ का किनारा असुरक्षित था और मिट्टी की खुदाई के कारण पानी की गहराई बढ़ गई थी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। शवों को जोहड़ से निकाला गया और पोस्टमॉर्टम के लिए नूंह के सिविल अस्पताल भेजा गया।

साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश, 804 करोड़ की ठगी का खुलासा, 10 गिरफ्तार

दुबई, वियतनाम और कंबोडिया से ऑपरेशन किया और पूरे भारत में नागरिकों को निशाना बनाया

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश किया, जिसने 804 करोड़ रु. की ठगी की। सूरत से 10 आरोपी गिरफ्तार किए गए। गिरोह ने बैंक खाते और सिम कार्ड का दुरुपयोग कर देशभर में ठगी की। पुलिस ने पीड़ितों को 5.51 करोड़ रु. लौटाए। राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिरोह ने दुबई, वियतनाम और कंबोडिया से ऑपरेशन किया और पूरे भारत में नागरिकों को निशाना बनाया। गिरोह आम नागरिकों के बैंक खाते और सिम कार्ड 1.5-2 प्रतिशत कमीशन के लालच में हासिल करता था और उनका दुरुपयोग कर साइबर ठगी करता था। गिरोह ने पूरे देश में 1,549 अपराध किए। गुजरात में 141 डिजिटल अपराधों के जरिए गिरोह ने 17.75 करोड़ कमाए।

पाकिस्तान और चीन बॉर्डर पर होगी तैनाती

'अनंत शस्त्र' एयर मिसाइल वेपन सिस्टम खरीदेगी सेना

- डीआरडीओ ने बनाया, 30 हजार करोड़ खर्च होंगे
- 5 से 6 रेजिमेंट खरीदी जाएंगी, मजबूत होगी सेना
- चलते-फिरते टारगेट को हिट करने में सक्षम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय सेना का एयर डिफेंस सिस्टम अब और मजबूत होगा। सेना ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को लगभग 30 हजार करोड़ में 'अनंत शस्त्र' सरफेस टू एयर मिसाइल वेपन सिस्टम खरीदने का टेंडर जारी किया है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बनाया है। पहले इसे क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल कहा जाता था। अब इसका नाम बदलकर 'अनंत शस्त्र' रखा गया है। अनंत शस्त्र की 5 से 6 रेजिमेंट खरीदी जाएंगी और इन्हें पाकिस्तान-चीन की सीमाओं पर तैनात किया जाएगा।

बहुत कम समय में फायर की क्षमता

अनंत शस्त्र की खासियत यह है कि यह चलते-फिरते भी दुश्मन के टारगेट को हिट कर सकता है। साथ ही बहुत कम समय में फायर कर सकता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 30 किलोमीटर (जमीन से हवा में) तक है। यह सेना के मौजूदा आकाशतीर और मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल मिसाइल सिस्टम का साथ देगा। 'अनंत शस्त्र' की दिन और रात दोनों में सफल टेस्टिंग की जा चुकी है। इसी साल मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी गई थी।

नवरात्र पर विशेष

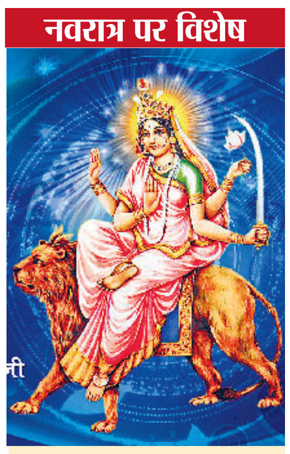

षष्ठम्-कात्यायनी

भगवती दुर्गा का छठा स्वरूप पुत्री स्वरूपा है। षि कात्यायन के अनुरोध पर देवी उनकी पुत्री के रूप में प्रकट हुई हैं सिंह वाहिनी देवी कात्यायनी ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी भी है। वृंदावन में गोपियों ने श्रीकृष्ण को पति रूप में पाने के लिए देवी के कात्यायनी स्वरूप की ही आराधना की थी। देवी का कात्यायनी स्वरूप धन, वैभव और सुख प्रदाता है। स्वर्णमयी दिव्य स्वरूपा कात्यायनी देवी के तीन नेत्र और अष्ठ भुजाएं हैं। यह प्राणियों के हितार्थ षि कात्यायन की पुत्री के रूप में अवतरित हुई थीं। इनका वर्ग स्वर्ण समान है। इनकी पूजा से भक्त इनके पास रहकर परमपद प्राप्त करता है। भगवती कात्यायनी की आराधना का श्लोक है- *चंद्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना। कात्यायनी शुभं दद्या देवी दानवघातिनी॥*

खबर संक्षेप

कैथलः गोतस्करों से 22 गोवंश छुड़वाए

कैथल। थाना कलायत पुलिस द्वारा सतर्क गौ रक्षक दल की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एनएच-152 पर गांव बाता के निकट एक बंद बॉडी ट्रक को पकड़ा गया, जिसमें अवैध रूप से 22 गोवंश को वध के लिए मेवात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को काबू कर ट्रक व गोवंश को कब्जे में लेकर गौ संवर्धन एवं संरक्षण अधिनियम 2015 के तहत मामला दर्ज किया है।

पूर्व सैनिक को हनी ट्रैप में फंसाने वाली महिला काबू

फतेहाबाद। पूर्व सैनिक को हनी ट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने के मामले में थाना भुना पुलिस ने एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुषमा पत्नी महावीर निवासी दरौली, जनपद उन्नाव, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है जोकि वर्तमान में भुना में रहती है। इस मामले में अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना भुना प्रभारी ने बताया कि सेना से सेवानिवृत धीर सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह निवासी वार्ड-14, भुना ने शिकायत दी थी कि जून माह में महावीर नामक व्यक्ति एवं किराये पर रहने लगा था।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई : चार बदमाश गिरफ्तार, बुलेट प्रूफ जैकेट ने बचाई एसआई की जान

फरीदाबादः आधे घंटे में 2 एनकाउंटर बदमाशों के पैरों में गोलियां मारी

रंगदारी व हत्या प्रयास के मामले में वांछित थे पकड़े गए आरोपी

एनकाउंटर के दौरान पुलिस ने बदमाशों के पास से देसी कट्टे, पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, दोनों एनकाउंटरों में घायल बदमाशों को इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल भेजा गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस द्वारा अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी कड़ी में अपराध शाखा सेक्टर-30 व सेंट्रल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मुठभेड में चार आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध-2 वरूण दहिया ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 27 सितम्बर को सुबह करीब 4 बजे अपराध शाखा सेक्टर-30 व सैंट्रल की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पाली सूरजकुंड रोड पर बाइक पर सवार आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की, जिस पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायर किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी शशिकांत निवासी गांव कोयलक जिला वाराणसी उप्र हाल सरस्वती कॉलोनी सेहतपुर पल्ला के पैर में गोली लगी। पुलिस ने शशिकांत व रोहित निवासी उंचा गांव बुलंदशहर उप्र हाल डबुआ कॉलोनी को काबू किया। शशिकांत को इलाज के लिए अस्पताल दाखिल करवाया गया। आरोपियों द्वारा करीब 10-12 रोंद फायर किये गये। मौका से दो पिस्टल व एक बाइक बरामद हुई।

फरीदाबाद। दो स्थानों पर हुई मुठभेड के संदर्भ में प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए सहायक पुलिस आयुक्त अपराध-2 वरुण दहिया। फोटोः हरिभूमि

सूरजकुंड रोड पर हुआ दूसरा एनकाउंटर

गुप्त सूचना पर पहुंची थी पुलिस अलसुबह ही क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि शशिकांत और उसका साथी रोहित किसी वारदात को अंजाम देने के लिए सूरजकुंड रोड से गुजरेंगे। जिसके बाद करीब साढ़े 4 बजे दोनों को पकड़ने के लिए पुलिस निकल पड़ी।

जवाबी कार्रवाई में लगी गोली

बदमाशों की तरफ से चलाई गई गोलियों के बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, दोनों तरफ से कई राउंड फायर किए गए। लेकिन तभी एक गोली शशिकांत के पैर में लगी और वो वहीं पर गिर गया। साथी को गिरता देख दूसरे बदमाश ने भी आत्मसमर्पण कर लिया।

बडखल-पाली रोड के नजदीक मुठभेड़

रोहित से पूछताछ में सामने आया कि उनके अन्य साथी कमल भडाना व गोलू एक अन्य वारदात करने के लिए उनका इंतजार कर रहे है, जिस पर अपराध शाखा सेक्टर-30 प्रभारी, अपनी टीम व आरोपी को साथ लेकर बडखल-पाली रोड नजदीक सैनिक कॉलोनी पहुंचे, जहां पर दो व्यक्ति बाइक पर दिखाई दिये जो पुलिस टीम के देख कर भागने लगे जिनका पीछा किया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायर किया। जवाबी कार्रवाई में कमल भडाना निवासी गांव मोहम्ताबाद हाल गाजीपुर रोड डबुआ कॉलोनी को पैर में गोली लगी। पुलिस टीम ने मौका पर कमल भडाना व मनीष निवासी गांव मठीया जिला मोतीहारी, बिहार हाल डबुआ कॉलोनी, फरीदाबाद को काबू किया और कमल भडाना को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मौका पर एक बाइक तीन पिस्टल, तीन देशी कट्टे, एक मैगजीन व चार रोंद बरामद हुए।

आरोपियों पर कई अपराधिक मामले दर्ज

उन्होंने और अधिक जानकारी देते हुए बताया कि माह अप्रैल में आरोपियों द्वारा न्यू जनता कॉलोनी के एक कपड़ा कारोबारी से रंगदारी मांगने की वारदात को अंजाम दिया था तथा सितम्बर माह में गाजीपुर रोड डबुआ कॉलोनी के एक घर में घुस कर फायर किया था तथा एक बुजुर्ग महिला को हथौड़ा मार कर घायल किया था। जिसमें आरोपीगण वांछित चल रहे थे। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि अपनी दहशत फैलाने के लिए ऐसी वारदातों को अंजाम दे रहे थे आज भी बडी वारदात को अंजाम को देना था। अपराधिक रिकॉर्ड अनुसार कमल पर 15 मामले, शशिकांत पर 6 मामले व मनीष पर 4 मामले दर्ज है। कमल नवम्बर 2024 व शशिकांत अप्रैल 2024 में जेल से बाहर आये है सभी आरोपी एक फिरौती व एक हत्या के प्रयास के मामले में वांछित थे। दोनों घायल अस्पताल में दाखिल है जिमकी स्थिति सामान्य है।

पत्नी संग अवैध संबंधों के शक में वारदात

भतीजे ने चाचा की गला काटकर की हत्या

आरोपी ने शराब पिलाकर वारदात को अंजाम दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले के टोहाना शहर में भतीजे द्वारा अपने चाचा की तेजधार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। चाचा के पत्नी के साथ अवैध सम्बंधों के शक में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया। मृतक की पहचान छबील दास 48, निवासी राजनगर, टोहाना के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए टोहाना के सरकारी अस्पताल में भिजवा दिया है। इस मामले में पुलिस ने हत्या आरोपी गगन पुत्र जगदीश चंद्र निवासी राजनगर, टोहाना को वारदात के कुछ ही घंटों में काबू कर लिया।

मृतक छबील दास।

हत्या मामले में गिरफ्तार युवक।

मृतक के बेटे आकाश के बयान पर केस

पुलिस ने मृतक छबीलदास के बेटे आकाश के बयान पर आरोपी गगन के खिलाफ टोहाना सिटी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज कर लिया है। टोहाना के राज नगर निवासी छबीलदास लौहार और उसके भाई जगदीश का परिवार इकट्ठा रहता है। छबीलदास लकड़ी का काम करता था। उसकी पत्नी का साल 2014 में निधन हो चुका है। छबीलदास के एक बेटा आकाश व एक बेटी है। दोनों ही शादीशुदा है।

निवेश के नाम पर 3,86,000 रुपये की ठगी, आरोपी धरा

फरीदाबाद। यूपीआई में निवेश के नाम पर 3,86,000 रुपये की ठगी के मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 86 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सैंट्रल में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके व्हॉट्सएप पर एक लिंक आया जिस पर क्लिक करते ही वह एक व्हॉट्सएप ग्रुप में जुड गया। जिसके बाद उसने ठगो द्वारा बताए गये यूपीआई में कुल 3,86,000 रुपये निवेश किए।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Mona Singh
Additional District and Sessions Judge, Jhajjar
AJIT S/O KITAB
Vs.
SAVITRI W/O SAMER SINGH
CA/274/2023
CNR No. HRJRO1-011298-2023
Next Date : 01.10.2025
PUBLICATION ISSUED TO :-
MANAGER HARIBHUMI
:-
Rohtak
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) 3. Champa D/o Shankar, 5. Meena Wd/c Om Parkash 6. Amit, 7. Sumit, 8. Pooja Ds/o Om Parkash, 9. Ramesh 11. Ram Niwas Ss/o 12. Bimla 13. Santosh Ds/o Mukhtyar S/o Shankar could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **01.10.2025 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar*
Sd/- Mona Singh, Additional District and Sessions Judge, Jhajjar
Dated, this day of 23.09.2025

ड्यूटी में कोताही बरतने पर पर्यवेक्षक रिलीव

बोर्ड परीक्षाः प्रदेशभर में नकल के 10 मामले दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आज संचालित करवाई गई सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की सामाजिक विज्ञान विषय व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की हिन्दी विषय एवं डी एल एड (नियमित/रि-अपीयर/मर्सी चांस) की विषय की परीक्षाएं प्रदेशभर में शान्तिपूर्वक व सुव्यवस्थित ढ़ंग से संचालित हुई। प्रदेशभर में परीक्षा केन्द्रों पर नकल के कुल 10 मामले दर्ज किए गए। आज संचालित हुई सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की परीक्षा में 2431 व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की परीक्षा में 4658 परीक्षार्थी तथा डीएलएड प्रथम वर्ष की परीक्षा में 20486 छात्र-अध्यापक प्रविष्ट हुए। यह जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) पवन कुमार ने बताया कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उनके उड़नदस्ते द्वारा जीन्द के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया तथा अनुचित साधन के 4 मामले दर्ज किए गए। परीक्षा केन्द्र जाट वमावि, जीन्द-11(बी-1) पर दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पाए जाने पर 3 मामले दर्ज किए गए।

हिसार के मनजीत बने इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल

हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री जोगेंद्र सिंह जोग के पुत्र हैं मनजीत सिंह श्योराण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मनजीत का फरवरी, 2013 में यूपी के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर चयन हुआ था।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं हिसार बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे एवं हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री पुत्र मनजीत जोगेंद्र जोग के सिंह श्योराण को ऐतिहासिक इलाहाबाद हाईकोर्ट का रजिस्ट्रार जनरल के पद पर नियुक्त किया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट रजिस्ट्रार (न्यायिक सेवाएं) रजनीश कुमार ने इस बारे में शनिवार को आदेश जारी किए।

मनजीत सिंह श्योराण का फरवरी, 2013 में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर चयन हुआ था। उस समय उन्होंने उत्तर प्रदेश उच्च न्यायिक सेवा (यूपी हायर ज्यूडिशियरी सर्विस) के परिणाम में चौथा स्थान हासिल किया था। मनजीत के बड़े भाई जितेंद्र जोग भारतीय जनता पार्टी के नेता है और दूसरे भाई मनबीर सिंह श्योराण हरियाणा सरकार में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं और छोटे भाई अवतार श्योराण हिसार व गुरुग्राम में सिक्योरिटी एजेंसी का संचालन करते हैं। मनजीत ने दसवीं कक्षा की पढ़ाई हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से फिर दयानंद महाविद्यालय से दस जमा दो की पढ़ाई की। बाद में पंचकूला के राजकीय महाविद्यालय से स्नातक की। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की और हिसार बार में वकालत शुरू की।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Monika Khanagwal
Additional Civil Judge (Senior Division),
KATAR SON OF KUDE SON OF DURGA
Vs.
1. DHARAMBIR SHARMA SON OF BHAGWAT SWAROOP
CNR No. HRJR02-001232-2025
Next Date : 08.12.2025
PUBLICATION ISSUED TO :-
3 (a)(i) Pawan son of Ram Kumar
:-3 (ii) Rajrani Ds/o Ramkumar
3 (iii) Sunita Ds/o Ram Kumar &
4a(i) Sunil S/o Devender
4a (ii) Manjeet Devi Ds/o Devender
4a(iii) Meenakshi Ds/o Devender
All above Defendants R/o Village Yakubpur Tehsil Badli and District Jhajjar
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **08.12.2025 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar*
Sd/- Monika Khanagwal, Additional Civil Judge (Senior Division), Jhajjar
Dated, this day of 10.09.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Monika Khanagwal
Additional Civil Judge (Senior Division),
JANGLI
Vs.
RAJ KUMAR
CNR No. HRJR02-000670-2017
Next Date : 15.10.2025
That pass a decree in favour of the plaintiff and against the defendants
PUBLICATION ISSUED TO :-
Def no 6 Ravi Dutt S/o Shiv Narayan
:-
R/o Village Pataude, Tehshil and District Jhajjar
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **15.10,2025 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar*
Sd/- Monika Khanagwal, Additional Civil Judge (Senior Division), Jhajjar
Dated, this day of 16.09.2025

राशिफल

- **मेष** — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
- **वृष** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।
- **मिथुन** — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- **कर्क** — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।
- **सिंह** — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।
- **कन्या** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।
- **तुला** — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।
- **वृश्चिक** — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।
- **धनु** — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।
- **मकर** — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।
- **कुंभ** — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।
- **मीन** — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

करोड़ों का फसल मुआवजा घोटाला मामला

एक और आरोपी गिरफ्तार

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

फतेहाबाद। फसल मुआवजा में हुए करोड़ों के घोटाले के मामले में इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद ने कार्रवाई करते हुए गांव बड़ोपल निवासी शेर सिंह पुत्र मांगे राम को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक लाख नकद बरामद किए गए हैं। इससे पहले इसी मामले में दो अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। यह तथ्य सामने आया कि गांव बड़ोपल के पटवारी एवं उसके निजी सहायकों ने कानूनगो, नायब तहसीलदार/तहसीलदार के साथ मिलीभगत कर फर्जी बीमा क्लेम फार्म भरवाए और मुआवजा राशि का गबन किया। 4.25 करोड़ की राशि प्रभावित किसानों को बांटी जानी थी।

इट्स क्यूट दुग्गल नामक इंस्टाग्राम अकाउंट के 9 फॉलोअर्स को चेतावनी

फतेहाबाद। समाज में बढ़ते साइबर अपराध और सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर लगाम कसने के लिए फतेहाबाद पुलिस ने एक और सख्त कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशानुसार ऐसे तत्वों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है, जो सोशल मीडिया पर अपराधियों का महिमामंडन कर रहे हैं या आपराधिक प्रवृत्ति के अकाउंट्स को फॉलो कर अप्रत्यक्ष रूप से उनका समर्थन कर रहे हैं। इसी सिलसिले में, पुलिस ने इंस्टाग्राम अकाउंट इट्स क्यूट दुग्गल को फॉलो करने वाले 9 युवकों को नोटिस जारी कर सीआईए कार्यालय में तलब किया। पूछताछ के दौरान सभी ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी से उक्त अकाउंट को अनफॉलो व ब्लॉक कर दिया।

फतेहाबाद। सीआईए में तलब किए गए जाखल के युवक।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
75 IIT Kharagpur

संस्थान निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से **ऑनलाइन आवेदन** आमंत्रित करता है :-
ए. विज्ञा. सं. : आर/09/2025 दिनांक 22 सितंबर 2025
1. असिस्टेंट रजिस्ट्रार - 2 पद
2. प्रशासनिक अधिकारी - 2 पद
बी. विज्ञा. सं. : आर/10/2025 दिनांक 26 सितंबर 2025
1. विधि अधिकारी - 2 पद
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 21.10.2025
शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और अपडेट्स के संबंध में विवरण हेतु पधारें :
http://www.iitkgp.ac.in/non-teaching-positions
CBC-21255/12/0015/2526 कुलसचिव/Registrar

शब्द पहेली - 6002

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6001 का हल

■	रा	ज	क	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	व
न	सी	ह		■	व	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	वी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■		जा	ग्र	त
म	■	र	ज	■	घ	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	ना	ट	क	का	र	■

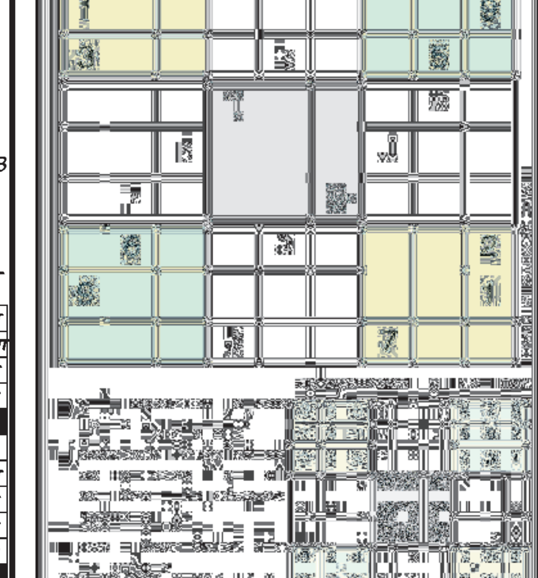

पुराना एक्स-शोरूम	GST बेनिफिट्स	नया एक्स-शोरूम
₹77 981* से शुरू	₹6 093	₹71 888* से शुरू

डाउन पेमेंट ₹1999^ से शुरू

प्रतिदिन की EMI ₹69^ से शुरू

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक
HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs

5 crore+ HAPPY CUSTOMERS

Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY
*Conditions apply

Hero GoodLife
जीतने का मौका
100% कैशबैक | सोने का सिक्का
और भी बहुत सुनिश्चित बेनिफिट्स#

Also available on
Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi - 110070, India. | CIN: L.35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com . Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. 5 crore customers as per the cumulative dispatch numbers of the Splendor family series of motorcycles till March 2025. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Limited period offer, T&C apply. *Ex-showroom prices are applicable in Haryana.

TOLL FREE
1800 266 0018

Authorised Dealers: **Ambala Cantt:** Haryana Motors- 9289923122; **Ambala City:** Dhruv Hero - 9289922868; **Assandh:** Sandhu Hero - 9996571157; **Bahadurgarh:** Satvik Hero - 9289922550 **Bhiwani:** Jaya Hero - 9289922056; **Ellenabad:**Ajit Hero - 9289922505; **Fatehabad:** Shri Balaji Hero - 9289922057; **Gharaunda:** Laxmi Hero - 9289922433; **Gohana:** Krishna Hero - 9289923026; **Hisar:** Chaudhary Hero - 9289922049, Vikrant Hero - 9289923082; **Jhajjar:** Pushkar Hero - 9289923147; **Jagadhari:** Khanna Hero - 9289922050; **Jind:** National Hero - 9289922061; **Kaithal:** Chaudhary Hero - 9289922062; **Karnal:** Nirmal Hero - 9289922048; **Kurukshetra:** VPS Hero - 9289922988; **Ladwa:**Khanna Hero - 9289922063; **MandiDabwali:**Karan Hero - 9289922490; **Nuh:** Sunil Hero - 9289923087; **Narnaul:** Autodeals Hero - 9289922058; **Narwana:** Narwana Hero- 9289923101; **Palwal:** DevVaahan Hero - 9289922877; **Panchkula:** Regent Hero - 9289923161; **Panipat:** Kadian Hero - 9289923182, Sahib Hero - 9289922059; **Pehowa:** Saraswati Hero - 9289922393; **Rewari:** Virendra Hero - 9289922060; **Rohtak:**Shivam Hero - 9289922047; **Sirsa:** Khanna Hero- 9289923195; **Sonipat:** Madaan Hero - 9289922865; **Yamuna Nagar:** Rohit Hero - 9289922394; **Hansi:** Sunil Motors- 9821744694.

RS/Hero/09/25

विजय दशमी विशेष

भारत की अमूल्य सांस्कृतिक चेतना की संवाहक रामलीला

कनाडा में आयोजित रामलीला का दृश्य

कंबोडिया में रामलीला का मंचन

सदियों से चली आ रही रामलीलाओं की परंपरा आज भी देश के कोने-कोने में अपनी पूरी भव्यता के साथ आयोजित की जाती है। देश ही नहीं विदेशों में भी रामलीलाओं के जरिए उच्च मानवीय मूल्यों का संवहन हो रहा है। वास्तव में रामलीला केवल पौराणिक कथा का मंचन नहीं, भारतीय जनमानस की सांस्कृतिक आस्था का अमूल्य धरोहर भी है।

आवरण कथा
नरेंद्र शर्मा

रामलीला महज एक धार्मिक नाट्य मंचन या लीला आयोजन भर नहीं है। बल्कि यह भारत की जीवित सांस्कृतिक आत्मा है और दुनिया भर में भारतीय मूल्यों की जीवंत राजदूत की भूमिका निभाती है। भारत के बाहर चाहे इंडोनेशिया हो, थाइलैंड हो, त्रिनिदाद हो या मॉरीशस या फिजी, जहां भी भारतीय पहुंचे हैं, वो अपने साथ रामलीला लेकर भी गए हैं।

मानव मूल्यों का संदेशवाहक: रामलीला में अध्यात्म, कला, संगीत, नृत्य, रंगमंच और लोकसंस्कृति सब समाहित होता है। यही कारण है कि साल 2008 में यूनेस्को ने रामलीला को विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया, जो दुनिया को भारतीय संस्कृति की अद्वितीय देन है। रामलीला का वृहत वैश्विक महत्व है, क्योंकि ये महज नाटक नहीं मानव मूल्यों का संदेशवाहक है। रामलीला सत्य, धर्म, न्याय, त्याग, भाईचारे और करुणा जैसे सार्वभौमिक मूल्यों का वैश्विक दस्तावेज है। रामलीला के मूल्य सिर्फ हिंदू समाज या भारतभूमि तक सीमित नहीं हैं बल्कि ये समूची मानवता का पथ-प्रदर्शक है। दुनिया के अनेक देशों जैसे इंडोनेशिया, थाइलैंड, कंबोडिया, त्रिनिदाद, फिजी, सूरीनाम, मॉरीशस, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में रामलीलाओं का मंचन भारत में सांस्कृतिक ध्वजा की तरह लहराता है। यहां की स्थानीय बोली, गीत, वेशभूषा और कलात्मक शैली मिलकर इसे एक वैश्विक नाट्य परंपरा बनाते हैं।

अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर: रामलीला दुनिया की अमूल्य धरोहर इसलिए है, क्योंकि यह धर्म और संस्कृति को साझे लोकमंच में बदलती है। रामलीला में दर्शक और कलाकार के बीच कोई भेद नहीं रहता। कलाकार और कला के दर्शक दोनों एक ही भाव जगत में रहते हैं, इसलिए रामलीला भारत में पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक परंपरा और लोकसंस्कृति का संरक्षण करती है। आज दुनिया के मंच पर यह भारत की मजबूत पहचान है। दुनिया इस बात को स्वीकारती है कि भारत केवल तकनीकी और विज्ञान ही नहीं बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक मूल्य भी प्रदान करता है। इसलिए यूनेस्को ने रामलीला को 'इंटेजिबल कल्चर हेरिटेज ऑफ ह्यूमेनिटी' कहा है।

लोककला-लोकआस्था का संगम: रामलीला का मंचन केवल रामकथा का मंचन नहीं है बल्कि यह जीवन के सबसे संभावित आदर्श पाठों का मंचन होती है, जब हमारे बीच की साधारण लोग मजदूर, किसान, छात्र, युवा आदि राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान आदि का रूप धरकर रामकथा प्रस्तुत करते हैं तो यह धारणा प्रबल होती है कि सत्य और मूल्य किसी एक का नहीं बल्कि समूची मानवता का उनमें साझा है। रामलीला की महत्ता इस बात से भी है कि यह लोककला और लोकआस्था का अनोखा संगम है। मंच पर, मंच के नीचे और हर तरफ मौजूद लोग रामलीला के कलाकारों के साथ ही दोहे, भजन और चौपाइयां दोहराते हैं और फिर ढोल, नगाड़े और लोकनृत्यों में पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकार एक जीवंत कथा, उत्सव रचते हैं। इसलिए रामलीला को सामूहिक उत्सव कह सकते हैं। इसके कलाकार भी भाव-विभोर होते हैं। रामलीला का अस्तित्व सदियों से मौखिक परंपरा द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रहा है।

वाराणसी के निकट रामनगर की रामलीला

अयोध्या की भव्य रामलीला

वैश्विक संरक्षण का हो रहा प्रयास: विद्यालयों और महाविद्यालयों में रामलीला के मंचन को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है और इस सबका अब डिजिटल दस्तावेजीकरण भी हो रहा है, ताकि दुनिया में यह महान सांस्कृतिक परंपरा हमेशा के लिए बनी रहे। आज रामलीलाओं की डिजिटल रिकॉर्डिंग और डॉक्यूमेंट्री फॉर्म में विकसित की गई रामलीलाएं दुनिया भर में देखी जा रही और सराही जा रही हैं। आज यह पर्यटन और सांस्कृतिक महोत्सवों का हिस्सा हैं। जैसे वाराणसी की रामनगर की रामलीला, भारत की यह अमूल्य सांस्कृतिक विरासत आज पूरी दुनिया में अपनी भव्य पहचान रखती है।

आज अमेरिका के ह्यूस्टन में हर साल भव्य रामलीला का आयोजन होता है, जिसमें पूरी दुनिया के महत्वपूर्ण कलाकार हिस्सा लेते हैं और भारत की इस सांस्कृतिक परंपरा की खुशबू दुनिया के कोने-कोने तक फैलाते हैं। रामलीला भारत की संवेदनशील विश्व धरोहर है। चूंकि यह निरा संस्कृति ही नहीं इसमें धार्मिक आस्थाओं के तार भी जुड़े हैं। इसलिए जरा भी उपेक्षा या अतिरिक्त व्यावसायिकता इसके मूल भाव को कमजोर कर सकती है। यही कारण है कि रामलीला के आयोजन में चाहे जितना धन खर्च कर दिया जाए, इसे पूर्णतः व्यावसायिक नहीं बनाया जाता या बनाया जा सकता, क्योंकि यह भारत की एक ऐसी परंपरा है, जिसमें लोक धर्म और लोक आस्था की जड़ें गहरे तक फैली हैं।

व्यावसायिकता से है दूर: रामलीला, हिंदू संस्कृति, अध्यात्म और भारतीय जीवन मूल्यों की प्रतिनिधि मानी जाती है। इसलिए इसमें पूर्णतः व्यावसायिक रंग नहीं आ सकते। धरोहर के रूप में इसका संरक्षण जरूरी है, लेकिन मनोरंजन के रूप में नहीं। इसलिए रामलीलाओं को आज भी व्यावसायिकता से बचाकर रखा जाता है। अयोध्या, वाराणसी, रामनगर, मथुरा, मध्य प्रदेश और बिहार से लेकर दक्षिण भारत तक रामलीलाओं की शैलियां अलग-अलग और स्थानिकता से ओतप्रोत हैं। लेकिन कभी भी किसी शैली को एक-दूसरे से सुधारने की कोशिश नहीं की जाती, न ही रामलीलाओं को मुंबई, चेन्नई या कोलकाता की व्यावसायिक सिने इंडस्ट्री के हवाले किया जाता है। आदर्श रामलीलाएं आज भी अयोध्या और वाराणसी में होती हैं और इनकी तुलना कोई मुंबई से नहीं करता क्योंकि रामलीला भारत की धार्मिक, आध्यात्मिक और संस्कृति का मंच है। किसी नाटक या फिल्म का नहीं, इसलिए रामलीलाओं पर आज भी लोक की भागीदारी ज्यादा और मजबूत रहती है। *

विशेष: गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

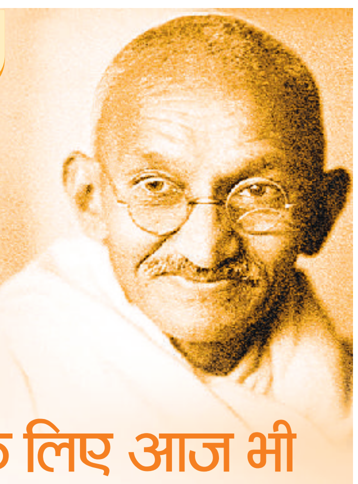

गांधी किसी व्यक्ति का नहीं एक विचारधारा, एक जीवनदर्शन का नाम है। यही वजह है कि उनके जाने के दशकों बाद आज भी देश और विश्व के समक्ष उपस्थित कई गंभीर संकटों का हल उनके विचारों में पाया जा सकता है।

देश-दुनिया के लिए आज भी कायम है गांधीजी की प्रासंगिकता

प्रासंगिकता
लोकमित्र गौतम

महात्मा गांधी 20वीं शताब्दी की एक ऐसी शख्सियत हुए हैं, जो अपने विलक्षण गुणों के कारण कभी विस्मृत नहीं किए जा सकेंगे। अपने न रहने के 78 सालों बाद आज भी एक दिन ऐसा नहीं होता, जब गांधी की प्रासंगिकता और जीवन में उनके किसी पहलू की अहमियत हमें रह-रहकर न याद आती हो। यकीन मानिए, महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईंस्टीन ने सही कहा था कि एक ऐसा वक्त आएगा, जब दुनिया के लोग अचंभा करेंगे कि गांधी जैसा कोई चलता-फिरता शख्स भी इस दुनिया में हुआ था। गांधी की यही विराट प्रासंगिकता है, जो उन्हें हर पल हम सभी को याद आती है।

युवाओं के मार्गदर्शक: अगर हम आज की इस बेहद रफ्तार भरी या कहें कि अंधी दौड़ में उलझी दुनिया में युवाओं के लिए सोचें कि वे गांधी से क्या सबक सीख सकते हैं, तो यकीन मानिए क्वांटम तकनीक के पास उतनी संभावनाएं नहीं हैं, जितनी संभावनाएं गांधी के जीवनदर्शन में युवाओं के सीखने के लिए हैं। 21वीं सदी का परिदृश्य अनुमान से कहीं ज्यादा तेजी से बदला है। विज्ञान और तकनीक ने जीवन को जो असाधारण गति दी है, शायद कभी इंसान ने कल्पना भी न की होगी। इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स और सोशल मीडिया का क्लाउड यह सब ऐसी चकाचौंध है, जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। लेकिन फिर भी इंसान सुखी नहीं है। न युवा, न अधेड़ और न ही किशोरों की जिंदगी में किसी तरह का सुख, सुखद उम्मीदें और स्थायित्व है। शायद यही इस प्रगति की सबसे बड़ी खामी है। प्रगति की इस अंधी दौड़ में सब कुछ पाने की धुन में सब कुछ बिखरा-बिखरा है। आज चाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इंसानी क्षमताओं को कितना भी विस्तार दिया हो, लेकिन यह एहसास एक क्षण को भी नहीं भूलता कि हमारी सारी उपलब्धियां मशीनी नहीं तो क्या हैं? जब तक इंसान को किसी भी क्षेत्र में दिली संतुष्टि न हो तो किसी भी उपलब्धि का क्या अर्थ है? आज की प्रगति के साथ यही है और ऐसे ही समय में महात्मा गांधी का जीवनदर्शन आज की पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बनने की पूरी संभावनाएं रखता है। कुछ लोगों ने महात्मा गांधी को तकनीक विरोधी साबित करने की कोशिश की, पर वह ऐसे नहीं थे। वह दुनिया की हर उपलब्धि, हर चाहत, हर जरूरत को इंसान के केंद्र में रखने के पक्षधर थे। वह किसी भी उपलब्धि को इंसान होने की भव्यता और विशिष्टता से परे नहीं मानते थे। गांधीजी स्पष्ट तौर पर मानते थे कि कोई साधन तभी सार्थक है, जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति को भी उपलब्ध हो या उससे वह लाभ ले सके। अगर गहराई से देखें तो यह तकनीक का सर्वाधिक लोकतंत्रीकरण करना है। आज जब तकनीक का बड़ा हिस्सा केवल अमीर देशों और कॉर्पोरेट कंपनियों के हाथों में केंद्रित है, तब युवा, गांधी दर्शन से प्रेरणा ले सकते हैं कि तकनीक की उन्नति का तभी कोई अर्थ है, जब वह समाज में अंतिम व्यक्ति के लिए भी उपलब्ध हो।

देते हैं पर्यावरण संरक्षण की सीख: आज की तकनीकी क्रांति ने हमारे पर्यावरण को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। ई-कचरा, कार्बन उत्सर्जन और बेतहाशा उपभोग आज की सबसे बड़ी समस्या है। प्रकृति के असंतुलन का सबसे बड़ा कारण यही है। ऐसे में युवाओं को सीखना होगा कि तकनीक का प्रयोग पर्यावरण, संवेदनशील ढंग से हो। ग्रीन एनर्जी आधारित इनोवेशन आज गांधीगीरी का ही रूप है और ई-कचरे का जितना ज्यादा रि-साइकिलिंग हो, अच्छा है। इसे सादा जीवन और प्रकृति के साथ संतुलन बनाने की कोशिश ही समझना चाहिए। आज हम इस 2025 में अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा तकनीकी रूप से समृद्ध हैं, लेकिन मानवीय दृष्टि और नैतिकता की हमें नितांत जरूरत है। यह हम तभी हासिल कर सकते हैं, जब आज के वैज्ञानिक और तकनीकी जीवन को गांधी जी की अंतर्दृष्टि से देखें। आज का दौर अपग्रेड कल्चर का भी है, लेकिन कल्चर में अपग्रेड होने के नाम पर हो क्या रहा है? हम नया फोन बदल रहे हैं, नए एप्स से जुड़ रहे हैं, नई कारें खरीद रहे हैं और

अंततः उपभोग की नई कोशिशें कर रहे हैं। हम सब जानते हैं कि गांधीजी ने कहा था, 'पृथ्वी सबकी जरूरतें तो पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच के सामने भी यह कम पड़ेगी।' जरा सोचिए, किसी एक की जगह जब पूरी दुनिया ही अपने लालच में डूब गई हो तो भला यह धरती कैसे उसकी जरूरतें पूरी कर सकती है।

जलवायु संकट, पर्यावरण विनाश दुनिया में उपभोग के कचरों के ढेर, ये एक नहीं इस दौर में अधिकतम लोगों के लालच की निशानियां हैं। अगर दुनिया को सुरक्षित रखना है, दुनिया को जीने लायक बनाए रखना है तो इस लालच से दूर रहना होगा और गांधी दर्शन ही काम आएगा कि हम जीवन जीने के लिए चीजों को एकत्र करें, चीजों को जुटाने के लिए न जीएं। *

पर्वोत्सव / वीरेंद्र बहादुर सिंह

आसुरी वृत्तियों पर सत्य-धर्म के विजय का उत्सव दशहरा

गीता के अध्याय 18/श्लोक 78 में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है-
यत्र योगेश्वरः कृष्णो, यत्र पार्थो धनुर्धरः।
तत्र श्रीः विजयोभूति, ध्रुवा नीतिः मतिः मम।।
कहने का अर्थ है कि जहां योगेश्वर श्रीकृष्ण हैं और जहां धनुर्धर पार्थ (अर्जुन) हैं, वहां विजय है। वहां लक्ष्मी हैं, कल्याण है और शाश्वत नीति है- ऐसा मेरा मत है।

योगेश्वर कृष्ण का अर्थ है ईश्वरीय कृपा और धनुर्धर पार्थ का अर्थ है मानव प्रयास। जहां ये दोनों मिलते हैं, वहीं विजय का नाद सुनाई देता है। यही निर्विवाद सत्य है। वास्तव में दशहरा, इसी भक्तिभाव और शक्ति के समन्वय का उत्सव है। नवरात्र में नौ दिन तक मां जगदंबा की उपासना कर शक्ति प्राप्त करने के बाद विजय की आकांक्षा जागना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से दशहरा विजय-प्रस्थान का उत्सव है।

विजय प्रस्थान का प्रतीक पर्व: व्यक्ति और समाज की रगों में वीरता का संचार हो, इसके लिए दशहरा मनाया जाता है। शत्रु की दुष्टता को दबाने का यह उत्सव है। भगवान श्रीरामचंद्र के समय से ही यह दिन विजय-प्रस्थान का प्रतीक बना। प्रभु श्रीरामचंद्र ने रावण का संहार करके इसी दिन विजय प्राप्त किया था। छत्रपति शिवाजी ने भी औरंगजेब को परास्त करने और हिंदू धर्म की रक्षा करने हेतु इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में अनेक उदाहरण हैं, जब हिंदू राजाओं ने इसी दिन विजय-प्रस्थान किया।

प्रचलित पौराणिक कथा: कथानुसार एक बार रघुराज ने कुबेर देवता को, जो सदैव धन संचय में लगे रहते थे, इसकी सीमा उल्लंघन के प्रति आगाह किया। भयभीत होकर कुबेर ने विजय दशमी की तिथि पर शमी वृक्ष पर स्वर्ण मुद्राओं की वर्षा की। इसके एवज में शमी वृक्ष ने उन्हें असीम वैभव का वरदान दिया। तभी से दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा की जाने लगी। पांडवों ने अपने वनवास के अज्ञातवास में अपने दिव्य शस्त्र शमी वृक्ष पर छुपा रखे थे। इसलिए भी इसका महत्त्व है। इसी कारण दशहरा शस्त्र-पूजन का पारंपरिक दिन माना जाता है। विजय दिलाने वाले शस्त्र ही हैं, इसलिए शस्त्र-पूजन द्वारा इस भाव को व्यक्त किया जाता है।

अंतःशत्रुओं से रहें सजग: जिस तरह हमारे चारों ओर नकारात्मकता से भरपूर बाहरी शत्रु होते हैं, वैसे ही हमारे भीतर भी कई शत्रु छुपे होते हैं, जिन पर हम अकसर ध्यान ही नहीं देते हैं। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर, ये मानव मात्र के षडरिपु हैं। विजयादशमी के इस शुभ दिन संकल्पित होकर इन शत्रुओं को परास्त करने के लिए अग्रसर होना चाहिए। इनके अलावा आलस्य भी मनुष्य का एक बड़ा शत्रु माना गया है। इसके बारे में कहा गया है-

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपुः यानी, आलस्य मनुष्य के शरीर में स्थित महान शत्रु है। जीवन में प्रगति और विजय पाने के लिए उक्त छह दुर्गुणों के अलावा दृढ़ संकल्प से इस स्थायी शत्रु पर काबू पाना भी आवश्यक है।

नैतिक मूल्यों की स्थापना का लें संकल्प: आज समाज में नैतिक मूल्यों पर संकट मंडरा रहे हैं। लगता है समाज की भव्य संस्कृति, अपने अवसान की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में सदाचारी और सत्यपथ पर चलने वाले व्यक्ति चुपचाप कैसे बैठ सकते हैं? बढ़ती हुई आसुरी वृत्तियों को यथाशक्ति रोकने का प्रयास हम सभी जरूर करें। योगेश्वर और संपूर्ण ब्रह्मांड की सकारात्मक शक्ति मेरे साथ है, मैं आसुरी वृत्तियों को मिटाने में स्वयं को समर्पित कर दूंगा, दशहरे पर यही दृढ़ संकल्प हमें करना चाहिए।

सार रूप में कह सकते हैं कि दशहरे का पर्व, समाज में फैली दीनता, हीनता, लाचारी के साथ-साथ अनैतिकता, भ्रष्टाचार और भोग वृत्ति जैसे मानवीय दुर्गुणों को नष्ट करने का संकल्प लेने का दिन है। वीरता का वैभव, शौर्य का श्रृंगार, पराक्रम और शस्त्रों की पूजा- यही दशहरा का निहित संदेश है। वास्तव में दशहरा भक्ति और शक्ति का पवित्र मिलन का पर्व है। *

गजल
गोविंद सेन

सच्चा लगता है

सच बतलाना क्या लगता है
मेरा कुछ अच्छा लगता है
ऊपर से देखा है उसको
भीतर कुछ बदला लगता है
लगता है थोड़ा सा सीधा
थोड़ा सा उल्टा लगता है
बचकानी है उसकी बातें
पचपन में बच्चा लगता है
माना हमने कड़वा है वो
पर बिल्कुल सच्चा लगता है

लघुकथाएं

कन्या पूजन

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रभुदयाल जी के घर पर नवरात्र हवन, कन्या पूजन का आयोजन चल रहा था। अचानक बाहर सड़क का शोर सुनकर वह उठकर भागते हुए बाहर चले गए। कन्या पूजन और हवन की समाप्त होने के बाद घर लौटकर आए। पंडित जी और घर वाले नाराज होकर बोले, 'आपको इस तरह हवन, कन्या पूजन छोड़कर नहीं जाना था। यह दुनिया है, यहां कुछ न कुछ तो होता ही रहता है। इसका यह मतलब नहीं है कि पूजा-पाठ छोड़कर चल दो, यह गलत बात है।' प्रभुदयाल जी ने बताया, 'बाहर एक कन्या को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। मैं उसको लेकर तुरंत अस्पताल चला गया। उसके होश आने पर ही वापस आया हूं। मेरे लिए तो यह कार्य हवन, कन्या पूजन और कन्या भोज से कम नहीं था।' पंडित जी दक्षिणा आदि लेकर चले गए, लेकिन कुछ ही देर बाद वापस लौटे आए। पश्चाताप के आंसू लिए प्रभुदयाल जी से बोले, 'जिस कन्या की आपने मदद की है, वो मेरी ही कन्या है। घर से भागकर जब मैं अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टर ने बताया कि प्रभुदयाल जी अगर सही समय पर आपकी बेटी को लेकर नहीं आते तो इसकी जान जा सकती थी। आपका यह मदद करने का जज्बा मेरे लिए आज एक 'दिव्य उपहार' है। आप जैसे लोग देवदूत होते हैं।' पंडित जी एक पल ठहर कर आगे बोले, 'आप सही हैं प्रभुदयाल जी, किसी प्रकार की भक्ति, साधना, अभिषेक, हवन और कन्या पूजन से भी बड़ी है करुणा। यही शक्ति सेवा है। आपको यह नवदुर्गा, नवरात्र क्या, जीवनभर की नवदुर्गा, नवरात्र का हवन, कन्या पूजन और कन्या भोज का पुण्य आज ही मिल गया। ईश्वर आपको दीर्घायु दें।' *

-चंद्रप्रकाश डाले

भीख का स्वाद

बैसाखी के सहारे चलकर, अपने कंधे पर दो भारी थैले लादकर वह अपनी झोपड़ी में आ गया। उसका चेहरा निस्तेज था। लेकिन उसकी आहट से सतर्क हुई मां ने लपक कर उससे थैला छीन लिया। रद्दी अखबार फैला कर खाद्य सामग्री उत्सुकता से देखने लगी। खाद्य सामग्री देखकर वह खुश हो गई, बोली, 'आहा! आज तो खाने के लिए खूब माल मिला है। दो दिन तक अपना काम चल जाएगा। आ.. आजा.. खा ले। पर सुन, तेरे चेहरे पर इतनी मुर्दनगी क्यों छाई हुई है?'

उसने बैसाखी एक तरफ रख दी। मां-बेटे इत्मीनान से भूख मिटाने लगे।

'बढ़िया स्वाद है ना।' मां पूड़ी चबाते हुए बोली।

'हां, मां, लेकिन है तो यह भीख ही।' उसने उदास स्वर में लड़के ने मां को जवाब दिया। *

-पूनम पांडे

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

मधुर स्मृतियों का कोलाज

संस्मरणों पर साहित्यिक पत्रिकाओं के विशेषांक कम ही निकलते हैं। इस पर भी 'निकट-42 (संस्मरण विशेषांक)' इस मायने में विशिष्ट है कि इसमें साहित्यिक विभूतियों या नामचीन हस्तियों के बजाय साधारण लोगों पर लिखे गए असाधारण संस्मरणों को संजोया गया है। वरिष्ठ कथाकार अमरीक सिंह दीप ने अपने संस्मरण में ग्रामीण इलाके की पहली यात्रा से जुड़ी अनुभूतियों को बयां किया है तो लता शर्मा ने अपने संस्मरण में एक ऑटो वाले के आत्मीय स्नेह को याद किया है। अपूर्व जोशी ने अपनी मां के विराट व्यक्तित्व को शब्दांकित किया है तो आरती आस्था ने अपने कार्यस्थल पर होने वाले वैचारिक संघर्ष की स्मृतियों को पूरी बेबाकी से बयां किया है। बीरबल नामक घोड़े पर पारुल तोमर ने बहुत मार्मिक संस्मरण लिखा है। शेष संस्मरणों में व्यंकटरमण, धनंजय सिंह, रजनी गुप्त, मनीष वैद्य, अमिता दुबे और पंकज सुबीर के संस्मरण भी विशेष रूप से पठनीय हैं। कहने की जरूरत नहीं मधुर स्मृतियों का यह शाब्दिक कोलाज, पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका: निकट-42 (सितंबर-दिसंबर 2025 अंक-संस्मरण विशेषांक), **संपादक:** कृष्ण बिहारी, **मूल्य:** 50 रुपए

भगवान श्रीराम के तो देश ही नहीं दुनिया के अनेक देशों में एक से बढ़कर एक भव्य मंदिर हैं। लेकिन श्रीराम के प्रिय बंधुओं और भक्तों के भी मंदिर देश के अलग-अलग स्थानों पर स्थित हैं। विशेष अवसरों और पर्वों पर इन मंदिरों में श्रद्धालु प्रतिमाओं की पूजा करते हैं। इन अनोखे मंदिरों के बारे में आप भी जानिए।

श्रीराम के बंधु-भक्तों के भी देश में स्थित हैं कई मंदिर

लक्ष्मणजी का मंदिर, राजस्थान

शत्रुघ्नजी का मंदिर, तेलंगाना

भरतजी का मंदिर, उत्तराखंड

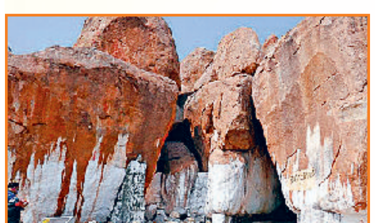
सुग्रीवजी का मंदिर, कर्नाटक

विभीषणजी का मंदिर, राजस्थान

अंगद (पाताली हनुमान) मंदिर, मध्यप्रदेश

दर्शनीय स्थल

शिखर चंद जैन

भगवान राम ने त्रेतायुग में रावण का वध किया था, जो माता सीता का हरण करके लंका ले गया था। इस विजय के उपलक्ष्य में विजय दशमी का पर्व मनाया जाता है। लेकिन उनकी इस जीत में उनके कई मित्रों और भक्तों का भी सहयोग रहा। हनुमानजी और उनकी वानर सेना के अलावा विभीषण, लक्ष्मण, जटायु, सुग्रीव आदि की भी इस विजय में बड़ी भूमिका रही। साथ ही कुछ अन्य लोगों की भी प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका रही। हम आपको यहां बता रहे हैं ऐसे कुछ दुर्लभ और कम ज्ञात मंदिरों के बारे में, जो श्रीराम के भक्तों और भाई-बंधुओं को समर्पित हैं।

लक्ष्मणजी का मंदिर: भरतपुर (राजस्थान) में लक्ष्मणजी को समर्पित एक मंदिर है। यहां लक्ष्मणजी और उनकी पत्नी उर्मिला के साथ-साथ भगवान श्रीराम, श्री भरत, श्री शत्रुघ्न तथा श्री हनुमानजी की मूर्तियां भी स्थापित हैं। इसके अलावा नासिक (महाराष्ट्र) का लक्ष्मण शेषनाग मंदिर भी श्री लक्ष्मण को समर्पित है।

शत्रुघ्नजी का मंदिर: तेलंगाना के मेडक जिले में स्थित श्री कल्याण रामचंद्र सान्निध्य मंदिर शत्रुघ्न और उनकी पत्नी श्रुतिकीर्ति को समर्पित है। यहां भगवान श्रीराम के भाइयों और उनकी पत्नियों की मूर्तियां भी स्थापित हैं। यह एक अनूठा मंदिर है।

भरतजी का मंदिर: अपने देश में भरतजी के कई मंदिर स्थित हैं। इनमें ऋषिकेश में स्थित भरत मंदिर और चित्रकूट का भरत मिलाप मंदिर (जहां श्रीराम और श्री भरत का मिलन हुआ था) प्रमुख हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट जिले में कामदगिरी पर्वत के पास यह मंदिर स्थित है। इसके अतिरिक्त, केरल के त्रिशूर जिले में कूडलमानिक्यम मंदिर भी श्रीभरत को समर्पित है। यह नलंबलम मंदिर समूह का हिस्सा है। ऋषिकेश में स्थित मंदिर भगवान श्री विष्णु के प्रतीक भरतजी को समर्पित है। इस मंदिर का उल्लेख कई पुराणों में मिलता है और ऐसा माना जाता है कि इसकी स्थापना आदि गुरु शंकराचार्य ने 789 ईस्वी में की थी।

सुग्रीवजी का मंदिर: हंपी (कर्नाटक) में स्थित सुग्रीव गुफा बहुत प्रसिद्ध है, जो किष्किंधा क्षेत्र में ऋष्यमूक पर्वत पर स्थित है। माना जाता है कि यहीं भगवान श्रीराम ने सुग्रीव को बाली पर विजय दिलाने के बाद राज्याभिषेक किया था। यहां सीता माता द्वारा गिराए गए आभूषणों के निशानों वाले पत्थर और श्रीराम-लक्ष्मण के पैरों के निशान भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा, बैंगलुरु में सुग्रीव वेंकटेश्वर मंदिर भी है, जिसमें सुग्रीवजी की छह फुट ऊंची प्रतिमा है। रामेश्वरम में भी एक सुग्रीव मंदिर है। मंदिर के गर्भ गृह में भगवान श्री वेंकटेश्वर की प्रतिमा भी स्थापित है। मान्यता है कि रामेश्वरम में स्थित सुग्रीव मंदिर, सुग्रीव को सम्मानित करने के लिए बनाया गया था। उन्होंने श्रीराम सेतु बनाने में भगवान श्रीराम की सहायता की थी।

विभीषणजी का मंदिर: विभीषणजी का मंदिर राजस्थान के कोटा शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित कैथून नामक कस्बे में है। यह एक प्राचीन मंदिर है, जहां विभीषण की विशाल प्रतिमा की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि भगवान श्रीराम के अभिषेक के बाद विभीषण ने कांवड़ में शिवजी और हनुमानजी को लेकर यात्रा की थी। जिस स्थान पर कांवड़ रुकी, वहीं विभीषण मंदिर स्थापित हुआ। यह विश्व का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां विभीषणजी की विधिवत पूजा की जाती है। मंदिर में विभीषण महाराज की एक विशाल प्रतिमा है, जिसका धड़ से ऊपर का हिस्सा ही दिखाई देता है और शेष भाग जमीन में धंसा हुआ है। यह मंदिर लगभग 2000 साल प्राचीन माना जाता है। यहां हर साल एक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। विभीषणजी का एक मंदिर श्री रामेश्वरम में भी है। इस विभीषण मंदिर को मुख्य रूप से कोथंडा रामस्वामी मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां भगवान श्रीराम के साथ विभीषण की मूर्ति भी स्थापित है। यह मंदिर रामेश्वरम से लगभग 16 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और रामायण काल से जुड़ा हुआ है। इस बारे में पौराणिक मान्यता है कि यहीं विभीषण ने भगवान श्रीराम से शरण मांगी थी। यह मंदिर 1964 में आए भयानक समुद्री चक्रवात में भी नष्ट नहीं हुआ था। इस मंदिर में भगवान श्रीराम, माता सीता, श्रीलक्ष्मण और श्रीहनुमान के साथ-साथ विभीषणजी की भी मूर्तियां स्थापित हैं।

अंगद का मंदिर: बाली पुत्र अंगद का रहस्यमयी मंदिर मध्यप्रदेश के सागर जिला स्थित रहली क्षेत्र के सुनार और देहार नदी के संगम पर स्थित है। यहां लोग बाली पुत्र अंगद की पूजा करते हैं। इस मंदिर में विराजित मूर्ति का पैर बिल्कुल उसी तरह जमीन पर स्थापित है, जिस तरह से अंगद ने लंका में अपने पैर रखकर रावण की सेना के सूरमाओं को पराजित कर दिया था। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यह देश और दुनिया में ऐसा एक मात्र मंदिर है, जहां बाली पुत्र अंगद की पूजा होती है। कई लोग इस मूर्ति को पाताली हनुमान की मूर्ति मानकर भी पूजा करते हैं, लेकिन मूर्ति की आकृति और इसकी अवस्था को लेकर लोग अंगद से तुलना करते हैं। मान्यता है कि इलाके के लोगों ने कई बार इस मूर्ति के जमे हुए पैर का ओर-छोर तलाशने की कोशिश की, लेकिन सब नाकाम हुए। *

जटायु का मंदिर

देश में पक्षीराज जटायु के कई मंदिर स्थित हैं। एक महाराष्ट्र के नासिक जिले के पास ताकेद गांव में है, जहां जटायु का अंतिम संस्कार स्थल माना जाता है। दूसरा केरल के कोल्लम जिले के चदयामंगलम में स्थित जटायु अर्थ सेंटर है। यहां जटायु की विशाल मूर्ति और एक छोटा मंदिर है। यहां जटायु की दुनिया की सबसे बड़ी पक्षी मूर्ति है। मूर्ति के पास भगवान श्रीराम का एक सुंदर मंदिर भी बनाया गया है। यहां जटायु के पदचिन्ह भी संरक्षित हैं। छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य में भी गिद्धराज जटायु का मंदिर है। एक और जटायु तीर्थम मंदिर रामेश्वरम में भी स्थित है।

गांधीजी के जीवन-विचारों को समझाने वाली ये 5 पुस्तकें

सत्य, अहिंसा, आत्मनियंत्रण जैसे सद्गुणों को जीवनपर्यंत अपनाने वाले महात्मा गांधी के व्यक्तित्व, उनके विचार और उनके जीवनदर्शन को जानने-समझने के लिए आपको ये पांच पुस्तकें जरूर पढ़नी चाहिए।

प्रेरक

अंजू जैन

महात्मा गांधी का व्यक्तित्व, उनका सामाजिक, राजनैतिक और निजी जीवन इतना महान और विविधतापूर्ण रहा है कि उनके बारे में 'और अधिक' जानने-समझने की आकांक्षा हर भारतीय के मन में उठती रहती है। उन्हें समझने के लिए उनके जीवन, और विचारों पर आधारित ये पांच पुस्तकें जरूर पढ़नी चाहिए।

सत्य के साथ मेरे प्रयोग: यह पुस्तक गांधीजी के जीवन के शुरुआती दिनों और उनके व्यक्तिगत संघर्ष, अनुभवों के बारे में गहन जानकारी देती है। अंग्रेजी में यह आत्मकथा 'स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' के नाम से उपलब्ध है। महात्मा गांधी ने पूरी सच्चाई और बेबाकी से अपने जीवन की कई घटनाओं का उल्लेख अपनी इस आत्मकथा में किया है। यह पुस्तक उनके जीवन की एक अंतरंग झलक प्रदान करती है। इसमें वे अपने निजी और सार्वजनिक जीवन की पूरी यात्रा साझा करते हैं। यह पुस्तक आपको गांधीजी के जीवन के विविध पहलुओं के साथ-साथ उनके मूल्यों और सिद्धांतों को अधिक पारदर्शी तरीके से समझने का अवसर प्रदान करती है।

हिंद स्वराज: महात्मा गांधी द्वारा मूल रूप से गुजराती मे लिखी गई यह पुस्तक 1909 में प्रकाशित हुई थी। प्रकाशन के अगले साल ही सन 1910 में ब्रिटिश सरकार ने इस पर पाबंदी लगा दी। उन्हें डर था कि इस किताब से प्रभावित होकर लोग विदेशी संस्कृति के खिलाफ और अपने अधिकारों के लिए मुखर हो सकते हैं। बाद में गांधीजी के प्रयासों से इस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद प्रकाशित हुआ और 1938 ई. में इस पर से प्रतिबंध हटा लिया गया। इस किताब में महात्मा गांधी ने विदेशी सभ्यता-संस्कृति की कटु आलोचना की। साथ ही उन्होंने उस दौर में मानवता की समस्याओं के बारे में भी विचार किया है। इस पुस्तक को प्रश्नोत्तरी प्रारूप में लिखा गया है।

सत्याग्रह इन साउथ अफ्रीका: इस पुस्तक में महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सन 1893 से सन 1914 तक के अपने अनुभवों का वर्णन किया है, जहां उन्होंने भेदभावपूर्ण नीतियों के खिलाफ भारतीय समुदाय के अधिकारों के लिए अहिंसक प्रतिरोध के अपने सिद्धांत 'सत्याग्रह' का प्रयोग किया था। पुस्तक नस्लीय अन्याय और दमनकारी कानूनों के विरुद्ध संघर्ष का विस्तृत विवरण देती है और बताती है कि कैसे सत्याग्रह एक शक्तिशाली हथियार साबित हुआ, जिसने न केवल दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों को दमन से मुक्ति दिलाई बल्कि भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के लिए भी एक मिसाल कायम की और दुनिया भर में नागरिक अधिकार आंदोलनों को भी प्रेरित किया।

ग्राम स्वराज: इस पुस्तक में गांव, स्थानीय स्वशासन, विकेंद्रीकरण, औद्योगीकरण, कुटीर उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा, नैतिकता, समानता जैसे कई विषयों पर महात्मा गांधी के विचार संकलित हैं। ग्राम स्वराज का वास्तविक अर्थ गांधीजी की नजर में यह था कि ग्रामीण भारत अपने आत्मबल का इस्तेमाल करना न छोड़े। ग्रामवासी खुद ही अपने उपयोग और उपभोग किए जाने वाले उत्पादों का उत्पादन करने में आत्मनिर्भर हों और आर्थिक रूप से संपन्न हों। गांधीजी ने शुरू से ही विदेशी सभ्यता-संस्कृति और विदेशी वस्तुओं की खिलाफत की। उन्होंने हमेशा स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दिया, जिससे भारत आत्मनिर्भरता हासिल कर सके। गांधीजी चाहते थे कि खादी के जरिए गांव में कपड़े बनाए जाएं। वहीं स्थानीय उत्पादन के जरिए फल और सब्जियों को उगाया जाए। हर कोई अपने उपयोग के लिए चीजों का उत्पादन करे।

मेरे सपनों का भारत: इस पुस्तक में महात्मा गांधी के भाषणों और उनके लेखों के अंश संकलित किए गए हैं। पुस्तक में भारत का एक आदर्श रूप चित्रित किया गया है, जहां सभी नागरिक समान हों, जाति, धर्म और प्रांत से ऊपर उठकर प्रेम और सद्भाव से रहें। उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार के अवसर प्राप्त हों। जहां भ्रष्टाचार, गरीबी और अन्याय का अंत हो। सत्ता का केंद्र समाज के अंतिम व्यक्ति के हाथों में हो। इस पुस्तक में हमें गांधीजी के पूर्ण स्वतंत्रता तथा स्वतंत्र भारत के सपने के बारे में पता चलता है। इस किताब को पढ़कर आप जान पाएंगे कि गांधीजी के उस दौरान अपने देश को लेकर देखे गए सपने और विचार 21वीं सदी में भी कितने सार्थक और उपयोगी हैं? *

लाल बहादुर शास्त्री ने अपना पूरा जीवन देश और जनहित को समर्पित कर दिया था। यही वजह है कि जन सामान्य से लेकर खास लोग भी उनके हर आह्वान का सम्मान करते थे। अकाल के समय देशवासियों के द्वारा उपवास रखना और मनोज कुमार के द्वारा 'उपकार' फिल्म बनाना इसकी मिसाल है।

हर देशवासी करता था शास्त्रीजी के आह्वान का सम्मान

स्मरण

एस. चौधरी

2 अक्टूबर को देश में ही नहीं दुनिया के अनेक देशों में महात्मा गांधी की जयंती मनाई जाती है। लेकिन यह दिन इसलिए और भी महत्वपूर्ण बन जाता है, क्योंकि इसी दिन भारत के एक अन्य महान सपूत लाल बहादुर शास्त्री की भी जयंती होती है। शास्त्रीजी को अपने व्यक्तित्व की सादगी एवं देशहित के कार्यों की वजह से जनता का भरपूर स्नेह और सम्मान मिला। वास्तव में गांधीजी के जीवन दर्शन 'सादा जीवन-उच्च विचार' को शास्त्रीजी ने पूरी तरह अपने जीवन में अपनाया।

विचारों की महत्ता पर बल: शास्त्रीजी का मानना था कि विचारों से नागरिकों को एक दिशा मिलती है, इसलिए उच्च और देशभक्तिपूर्ण विचार रखने के साथ ही उन विचारों पर अमल करना, देश निर्माण में सहायक बनते हैं। गौरतलब है कि शास्त्रीजी के प्रधानमंत्रित्व के कार्यकाल (1964-1966) के दौरान दो महत्वपूर्ण घटनाएं हुई थीं- एक पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से युद्ध और दूसरा सूखे के कारण देश में अनाज की किल्लत। इनसे देश की सुरक्षा और निर्माण में जवानों के साथ किसानों के महत्व को सहज ही समझा जा सकता है। यह बात हर देशवासी की समझ में आए, इसलिए शास्त्रीजी ने 'जय जवान-जय किसान' का जनप्रिय नारा दिया था। शास्त्रीजी इस विचार, इस भावना को जन-जन तक पहुंचाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने बिल्कुल नायाब तरीका खोजा।

मनोज कुमार को दिया फिल्म बनाने का सुझाव: शास्त्रीजी दूरदर्शी थे और आधुनिक संसाधनों के सकारात्मक उपयोग पर बल देते थे। वे समझते थे कि मनोरंजन के साथ प्रस्तुत किए गए विचार, उपदेशों की तुलना में अधिक प्रभावी होते हैं, जिसके लिए फिल्में बहुत मददगार साबित हो सकती हैं। इसीलिए भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद एक मुलाकात के दौरान उन्होंने अभिनेता-निर्देशक मनोज कुमार, जो देशभक्ति से प्रेरित फिल्में बनाने के लिए विख्यात थे, को सुझाव दिया कि वह 'जय जवान-जय किसान' नारे को ध्यान में रखते हुए कोई फिल्म बनाएं, ताकि देश के लोग इस नारे/संदेश का महत्व समझ सकें। मनोज कुमार-शास्त्रीजी की इस बातचीत का नतीजा फिल्म 'उपकार' के रूप में सामने आया। हालांकि शास्त्रीजी यह फिल्म नहीं देख पाए, क्योंकि यह फिल्म सन 1967 में

रिलीज हुई थी, जबकि साल 1966 में ही शास्त्रीजी का निधन हो गया था। मनोज कुमार ने अपनी यह फिल्म शास्त्रीजी को समर्पित की थी। रिलीज के बाद फिल्म 'उपकार' और इसके गाने जबरदस्त हिट हुए। इस फिल्म की गिनती आज भी ऑल टाइम ब्लॉक बस्टर्स में होती है।

देशवासी करते थे उनको बहुत प्यार: आज के दौर में कुछ नेता चुनावी लाभ पाने के लिए सामाजिक विभाजन के लिए दुष्प्रचार करने से भी बाज नहीं आते। इसीलिए जनता का भरपूर स्नेह इन्हें नहीं मिल पाता। इसके उलट शास्त्रीजी की सादगी, ईमानदारी, प्रशासनिक क्षमता और देशसेवा के प्रति समर्पण आदि गुणों के कारण देशवासी उनसे बहुत स्नेह किया करते थे। इसीलिए शास्त्रीजी की बात मानते थे और उनके लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहते थे। शास्त्रीजी के प्रधानमंत्रित्व काल में एक बार भयानक सूखा पड़ा था। महंगाई अपने चरम पर पहुंच गई थी। एक सेर (एक किलो से कुछ कम) गेहूं एक रुपए में भी मिलना मुश्किल था, जोकि उस समय बहुत ज्यादा था। शास्त्रीजी को आभास हो गया कि उपलब्ध अनाज सभी देशवासियों का दो वक्त पेट भरने के लिए पर्याप्त नहीं था। इसलिए राष्ट्रहित में शास्त्रीजी ने जनता से उपवास रखने के लिए कहा। उनकी बात मानते हुए लोगों ने ऐसा ही किया। लोग एक वक्त खाकर रहने लगे या सप्ताह में तीन दिन उपवास रखने लगे। उस समय का शायद ही कोई वयस्क भारतीय हो, जिसने शास्त्रीजी के आह्वान को ना माना हो। उपवास तो एक समस्या का तत्कालीन हल था, दीर्घकालीन व स्थायी समाधान नहीं। सूखे से उन्हें अंदाजा हो गया था कि भारत में अनाज उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है, इसलिए 1965 में उन्होंने हरित क्रांति को प्रोत्साहित किया। उनके ही प्रयासों से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश अनाज उत्पादन के गढ़ बन गए। आपातस्थिति का सामना करने के लिए बड़े पैमाने पर अनाज का भंडारण किया जाने लगा। यह शास्त्रीजी की कोशिशों का ही दीर्घकालिक नतीजा है कि आज भी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज वितरित किया जाता है। बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने श्वेत क्रांति को भी प्रोत्साहित किया ताकि देश में दूध का उत्पादन और सप्लाई बढ़ सके। उन्होंने नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड का गठन किया और आणंद, गुजरात में अमूल मिल्क को-आपरेटिव को प्रोत्साहित किया। शास्त्रीजी वास्तव में ऐसे गांधीवादी थे, जो केवल देश हित के बारे में ही सोचते थे। *

ऑफबीट सिनेमा

अशोक वाधवाणी

महात्मा गांधी ने न केवल ब्रिटिश शासन से भारत को मुक्त कराने में बड़ी भूमिका निभाई, उनका जीवन दर्शन, पूरी मानवता को नई दिशा देता है। यही वजह है कि उनके जीवन पर केंद्रित और उनके विचारों के इर्द-गिर्द घूमती देश-विदेश में कई फिल्में बनती रही हैं। एक नजर ऐसी ही कुछ फिल्मों पर।

देश-विदेश की फिल्मों में महात्मा गांधी का जीवन-दर्शन

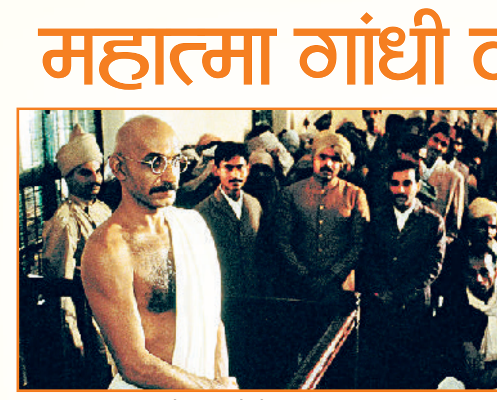
फिल्म 'गांधी' में गांधीजी के रोल में बेन किंग्सले

'लगे रहो मुन्ना भाई' ने दिया गांधीगीरी का टर्म

हालांकि फिल्मों को मुख्य तौर पर मनोरंजन का माध्यम माना जाता है। लेकिन देश और विश्व सिनेमा में कुछ महान व्यक्तियों पर भी ऐसी ऑफबीट फिल्में बनती रही हैं, जिन्होंने देश ही नहीं विश्व को नई दिशा में सोचने को प्रेरित किया। ऐसे ही एक महापुरुष थे-महात्मा गांधी। उनके महान आदर्शों, जीवन सिद्धांतों, देशप्रेम, त्याग जैसे गुणों और जीवन पर आधारित कई डॉक्यूमेंट्रीज और फीचर फिल्मों का निर्माण होता रहा है। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

गांधी: ब्रिटिश निर्देशक रिचर्ड एटनबरो, महात्मा गांधी के बड़े प्रशंसक थे। उनसे प्रभावित होकर रिचर्ड ने वर्ष 1982 में अंग्रेजी भाषा में फिल्म 'गांधी' का निर्माण किया। फिल्म का निर्देशन भी एटनबरो ने ही किया था। इसकी पटकथा जॉन ब्राइली ने लिखी थी। फिल्म में गांधी की भूमिका को जीवंतता प्रदान की थी ब्रिटिश

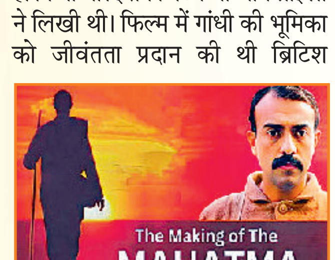

अभिनेता बेन किंग्सले ने। एटनबरो की यह फिल्म महात्मा गांधी पर बनी अब तक की फिल्मों में मील का पत्थर मानी जाती है। आलोचकों, समीक्षकों, दर्शकों द्वारा समान रूप से सराही गई यह फिल्म। ऑस्कर पुरस्कारों के लिए इस फिल्म को ग्यारह श्रेणियों में नामांकन मिला था, जिनमें से सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ पटकथा लेखक, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइनर सहित कुल आठ ऑस्कर अवार्ड इस फिल्म को मिले थे। इनमें बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर का ऑस्कर पुरस्कार पाने वाली भानू अथैया भारतीय ड्रेस डिजाइनर हैं।

द मेकिंग ऑफ महात्मा: निर्देशक श्याम बेनेगल की यह फिल्म साल 1996 में आई थी। फिल्म में महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका में बिताए 21 वर्षों को सिलसिलेवार, सशक्त, सार्थक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में एक आम भारतीय मोहन दास करमचंद गांधी के महात्मा गांधी बनने के सफर को बहुत ही अच्छे ढंग से पेश किया गया है। अंग्रेजी में बनी इस फिल्म को 'बेस्ट फीचर फिल्म इन इंग्लिश' का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। साथ ही फिल्म में गांधीजी का रोल निभाने वाले रजित कपूर को उस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था।

गांधीजी पर केंद्रित कुछ अन्य फिल्में: अभिनेता-निर्देशक कमल हासन की फिल्म 'हे राम!' (2000) बहुचर्चित रही। तमिल और हिंदी में बनी यह फिल्म भारत-पाकिस्तान विभाजन और गांधीजी की हत्या पर केंद्रित थी। यह फिल्म व्यावसायिक रूप से सफल नहीं हो पाई थी। हालांकि इस फिल्म को एक खास दर्शक वर्ग और क्रिटिक्स की सराहना मिली। इस फिल्म को कई पुरस्कार भी

मिले, जिनमें अलग-अलग श्रेणियों में तीन राष्ट्रीय पुरस्कार भी शामिल हैं।

गांधीजी और उनके पुत्र हरिलाल के वैचारिक मतभेदों पर आधारित फिल्म 'गांधी माई फादर' (2007) फिरोज अब्बास खान के निर्देशन में बनी थी। इस फिल्म के निर्माता थे, अभिनेता अनिल कपूर। हालांकि व्यावसायिक तौर पर यह फिल्म असफल रही लेकिन इस फिल्म को अलग-अलग श्रेणियों में तीन राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कुछ अन्य पुरस्कार भी मिले थे।

साल 2005 में अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्म 'मैंने गांधी को नहीं मारा' बनाई, जिसमें अनुपम खेर, रजित कपूर और उर्मिला मातोंडकर मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में अनुपम खेर डिमेंशिया रोग से पीड़ित होते हैं और खुद को गांधी का हत्यारा समझते हैं। इसी तरह गांधीजी के सिद्धांतों, आदर्शों को अपनाते हुए समाज में फैली विसंगतियों-कुरीतियों से कैसे निपटा जाए, इस पर प्रभावशाली ढंग से प्रकाश डाला गया है तमिल और तेलुगू में बनी फिल्म 'महात्मा' (2009) में। कुछ अलग विषय पर बनी इन फिल्मों ने दर्शकों ही नहीं समीक्षकों की भी खूब वाह-वाही बटोरी।

गांधीगीरी पर आधारित फिल्में: निर्माता विधु विनोद चोपड़ा, निर्देशक राजकुमार हिरानी ने अपनी फिल्म 'लगे रहो मुन्नाभाई' (2006) में गांधीजी के कुछ विचारों, सिद्धांतों को अलग अंदाज में सजीवता के साथ पेश किया। इस फिल्म में अन्याय, अनीति के विरुद्ध शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का नायाब गांधीवादी तरीका दिखाया गया, जिसे एक नया टर्म 'गांधीगीरी' दिया गया। जिस तरह 'रंग दे बसंती' फिल्म ने

समाज में कैंडल मार्च की मौलिक सोच की नींव रखी, ठीक उसी तरह नए शब्द 'गांधीगीरी' को लोकप्रिय बनाने में फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' ने अहम भूमिका निभाई थी।

कहने का सार है कि पुरानी से लेकर नई फिल्मों तक गांधीजी की जीवनी, उनके सिद्धांतों-विचारों का आकर्षण बरकरार है और यह आकर्षण हमेशा, हर दौर में बरकरार रहेगा। *

फिल्मी गीतों में गांधीजी

गांधीजी पर कई फिल्में तो बनी ही हैं। कई गीतों की रचना भी गांधीजी के जीवन और उनके दर्शन पर की गई है। इन गीतों में कवि प्रदीप द्वारा लिखा फिल्म 'जागृति' का गीत 'दे दी हमें आजादी, बिना खड्ग बिना ढाल। साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।' आज भी लोकप्रिय बना हुआ है। फिल्म 'बालक' के गीत 'सुन ले बापू ये पैगाम, मेरी चिट्ठी तेरे नाम' में गीतकार ने भाषावाद, जातिवाद, प्रांतवाद पर प्रहार किया है। फिल्म 'प्रिया' के गाने 'ना सुन- सुन-सुन बुरा, ना देख-देख-देख बुरा, ना बोल-बोल-बोल बुरा' में गांधीजी के तीन बंदरों वाले जीवन दर्शन को प्रकट किया गया है। फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' के गीत 'ऐनक पहने, लाठी थामे चलते थे वो शान से। जालिम कांपे थर, थर, थर, थर सुनकर उनका नाम रे।' के जरिए दुबले-पतले, सामान्य कद काठीवाले, आत्मविश्वास से लबा-लब गांधीजी की छवि की असाधारणता को स्वानंद किरकिरे ने प्रभावी तरीके से पेश किया। इनके अलावा भी कई गीतों, भजन में गांधीजी और उनके जीवन दर्शन को व्यक्त किया गया है।

खबर संक्षेप

चीन में 5.6 तीव्रता का भूकंप, 7 लोग घायल

बीजिंग। चीन के गांसू प्रांत में शनिवार को 5.6 तीव्रता का भूकंप आने से सात लोग घायल हो गए। कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। चीन के भूकंप केंद्र के अनुसार लोंक्शी काउंटी में सुबह 5:49 बजे भूकंप आया, जिसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। 8 मकान तहस-नहस जबकि 100 से अधिक क्षतिग्रस्त हो गए। एक वीडियो में आपातकर्मी मलबा हटाते हुए दिख रहे हैं।

कॉमेडियन कपिल को धमकी देने वाला अरेस्ट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता और कॉमेडियन कपिल शर्मा को धमकी देने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने पश्चिम बंगाल से एक शख्स को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शख्स का नाम दिलीप चौधरी है। आरोपी ने कपिल के पीए को फोन कर 1 करोड़ की मांग की थी और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

लाहौर हाईकोर्ट में भगत सिंह की जयंती मनाई

लाहौर (भाषा)। भारतीय स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की 118वीं जयंती शनिवार को पाकिस्तान के लाहौर उच्च न्यायालय में मनाई गई और उन्हें दोनों देशों के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करने की मांग की गई। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को अविभाजित भारत के बंगा गांव (अब पाकिस्तान) में हुआ था।

भागवत ने 'पथ संचलन' का निरीक्षण किया

नागपुर (भाषा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को यहां संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों के वार्षिक पथ संचलन का निरीक्षण किया। आरएसएस की स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में नागपुर में की थी। संघ का पथ संचलन दशहरा के अवसर पर आयोजित किया जाता है, लेकिन इस वर्ष इसे त्योहार से कई दिन पहले निकाला गया।

गंगा में जलीय प्रजातियों के लिए प्लास्टिक खतरा

एक शोध में किया दावा: सबसे ज्यादा 87 प्रतिशत घरेलू कचरा

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

गंगा नदी के उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र में प्लास्टिक प्रदूषण में सर्वाधिक मात्रा पैकेजिंग अपशिष्ट की है। एक नये अध्ययन में यह बात सामने आई। इस क्षेत्र में कई संकटग्रस्त प्रजातियों का आवास है।

झारखंड में साहिबगंज जिले के लाल बथानी और राधानगर के बीच के खंड का चयन इसलिए किया गया क्योंकि इसमें 34 किमी का उच्च जैव विविधता वाला क्षेत्र शामिल है, जो गंगा डॉल्फिन और 'स्मूथ कोटेड ओटर्स' (दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाने वाले ऊदबिलाव की एक प्रजाति) जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों का आश्रय स्थल है।

76 किमी क्षेत्र में 37739 मलबे के टुकड़ों का दस्तावेजीकरण

भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के शोधकर्ताओं द्वारा 'सस्टेनेबिलिटी' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में गंगा के 76 किलोमीटर क्षेत्र में 37,730 मलबे के टुकड़ों का दस्तावेजीकरण किया गया। कुल अपशिष्ट में पैकेजिंग अपशिष्ट का हिस्सा 52.4 प्रतिशत था, जिसमें खाद्य पदार्थों के रैपर, एकल-उपयोग पाउच और प्लास्टिक की थैलियां शामिल थे। प्लास्टिक के टुकड़े 23.3 प्रतिशत के साथ, सर्वाधिक मात्रा में पाया गया दूसरा अपशिष्ट था, इसके बाद तंबाकू से संबंधित कूड़ा 5 प्रतिशत और कप, चम्मच और प्लेट जैसे एकल-उपयोग वाले कटलरी 4.7 प्रतिशत थे। मछली पकड़ने का सामान, कपड़ा और मेडिकल प्लास्टिक भी कम मात्रा में मौजूद थे। डूब क्षेत्र में सबसे अधिक प्रदूषण देखा गया, जहां प्रति वर्ग मीटर घनत्व 6.95 था, जो नदी तटरेखाओं की तुलना में लगभग 28 गुना अधिक था, जहां प्रति वर्ग मीटर घनत्व 0.25 था। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट का स्तर समान था, तथा उच्च और निम्न जनसंख्या घनत्व वाले स्थानों के बीच कोई बड़ा अंतर नहीं देखा गया। मौसमी अंतर नगण्य थे, लेकिन अध्ययन में पाया गया कि मानसून के बाद बाढ़ ने नदी में कचरा लाकर मलबे की भरपाई कर दी। अकेले उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र में, कुल मलबे का 61 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें बड़ी मात्रा में फेंके गए मछली पकड़ने के जाल और स्टायरोफोम शामिल थे, जो जलीय प्रजातियों के लिए खतरा पैदा कर रहे थे।

2022-2024 के बीच रिसर्च

मलबे में घरेलू कचरे का योगदान 87 प्रतिशत था, जबकि मछली पकड़ने के उपकरण का योगदान 4.5 प्रतिशत और धार्मिक चीजों का योगदान 2.6 प्रतिशत था। संगठित अपशिष्ट संग्रहण और निस्तारण प्रणालियों का न होना प्रदूषण स्तरों के बढ़ने के प्रमुख कारक के रूप में पहचाना गया। यह सर्वेक्षण 2022 और वर्ष 2024 के बीच किया गया। इस सर्वेक्षण में प्लास्टिक कचरे को मापने और वर्गीकृत करने के लिए ट्रांसेक्ट-आधारित नमूने (नमूना संग्रहण की एक विधि) का उपयोग किया गया।

बेंगलुरुः टूटी सड़क के लिए विरोध-प्रदर्शन

स्थानीय लोगों ने गड्ढों की कराई पूजा

बेंगलुरु। कर्नाटक में भारतीनगर रेजिडेंट्स एसोसिएशन के सदस्य सड़क की खराब हालत को लेकर अपने इलाके में फूलों से घिरे एक गड्ढे की पूजा कराते स्थानीय लोग।

पीएम ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में 'नमो युवा समावेश' को संबोधित किया

कांग्रेस ने जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा : मोदी

निम्न आय वर्ग वालों पर भी टैक्स लगाया

भाषा ▶▶ झारसुगुड़ा (ओडिशा)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश के लोगों को लूटा और निम्न आय वर्ग के लोगों पर भी कर लगाया। मोदी ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में 'नमो युवा समावेश' को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने अपनी नीतियों और हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर को युक्तिसंगत बनाने के माध्यम से लोगों के लिए दोहरी बचत और दोहरी कमाई सुनिश्चित की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा ने देश को कांग्रेस शासन के दौरान व्याप्त लूट की संस्कृति से बचाया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा। जब हमें सेवा का अवसर मिला, तो हमारी सरकार ने देश को पिछली सरकार के शोषण से सफलतापूर्वक मुक्त कराया। पीए मोदी ने कहा कि अब, दोहरी बचत और दोहरी कमाई का एक नया युग शुरू हो गया है। पहले लोगों को 2 लाख रुपये तक की आय पर भी कर देना पड़ता था। आज, 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले लोगों को कर से छूट दी गई है।"

■ अब, दोहरी बचत और दोहरी कमाई का एक नया युग शुरू हो गया

▶▶ प्रधानमंत्री ने 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने और तटीय राज्य में भाजपा की सरकार बनाने में मदद करने के लिए ओडिशा के लोगों को धन्यवाद दिया। अब, राज्य 'डबल इंजन' वाली सरकार के माध्यम से प्रगति कर रहा है। 'कई दशकों तक गरीबी झेलने वाला ओडिशा अब समृद्धि की राह पर है।

पीएम ने अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

जनता को राहत नहीं देना चाहती कांग्रेस

मोदी ने आरोप लगाया कि जब केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर(जीएसटी) व्यवस्था को सरल बनाने के लिए सुधार किए और आम लोगों को राहत देने की कोशिश की, तो कांग्रेस ने भाजपा सरकार की आलोचना शुरू कर दी। जब केंद्र ने सीमेंट की कीमतें घटाईं, तब हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने उस पर अतिरिक्त कर लगा दिया। हमने जब जीएसटी दरें घटाईं, तो पूरे देश में कीमतों में गिरावट आई। लेकिन कांग्रेस चाहती ही नहीं कि आम आदमी को इसका लाभ मिले। पीएम मोदी ने कहा हाल ही में जीएसटी परिषद ने कर दरों को दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत में युक्तिसंगत किया है, जो 22 सितंबर से लागू है। इससे कई सेवाओं और उत्पादों की कीमतों में कमी आने की संभावना है। प्रधानमंत्री ने ओडिशा की विकास यात्रा की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' सरकार यानी केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा की सरकार के कारण ओडिशा अब तेजी से प्रगति कर रहा है। कई दशकों तक गरीबी झेलने वाला ओडिशा अब समृद्धि की राह पर है।

वर्ल्ड फूड इंडिया, 21 कंपनियों ने किया एमओयू

अब तक 1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश समझौते पर किए गए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को बताया कि वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के दूसरे दिन 21 कंपनियों ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इससे इस कार्यक्रम में निवेश के लिए समझौतों की कुल कीमत 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इन 21 कंपनियों ने 25,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश का वादा किया। भारत मंडपम में समिट के दूसरे दिन वैश्विक नियामक, इंडस्ट्री लीडर्स, स्टार्टअप और नीति-निर्माताओं ने भाग लिया। बातचीत में सस्टेनेबिलिटी, टेक्नोलॉजी, निवेश और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया।

गृहमंत्री ने 5,000 लोगों से किया संवाद

बिहार में चुनाव जीते तो घुसपैठियों को चुन चुनकर बाहर निकालेंगे

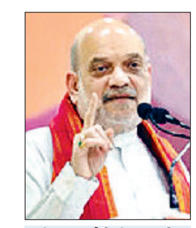

बिहार दौरे के दूसरे दिन कांग्रेस पर भड़के, राहुल को केवल घुसपैठियों की चिंता, 'सर' में खलल

नई दिल्ली (ब्यूरो)। गृहमंत्री अमित शाह 2 दिनी दौरे पर बिहार में हैं। पहले वे समस्तीपुर पहुंचे। यहां सरायरंजन स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर जिले के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके बाद अररिया में फारबिसगंज के हवाई फील्ड मैदान में भाजपा के शक्ति प्रदर्शन में शामिल हुए। यहां पर पहले पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, भागलपुर, बांका भाजपा कोर कमेटी के नेताओं और लगभग 5,000 पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और कहा कि दो तिहाई बहुमत के साथ नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाना ही हमारा लक्ष्य है।

डॉ. विश्वनाथन संस्थापक एवं कुलाधिपति वीआईटी-बोले

भारत को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में आगे बढ़ना होगा

एजेंसी ▶▶ वेल्लोर

वीआईटी के संस्थापक एवं कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति आवश्यक है। वे वेल्लोर में शुरू हुए तीन दिवसीय टेक्नो-मैनेजमेंट उत्सव, ग्रेविटास 2025 के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। अन्ना ऑडिटोरियम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, कुलाधिपति विश्वनाथन ने कहा, '1984 में केवल 180 छात्रों के साथ अपनी स्थापना के बाद से, वीआईटी ने वेल्लोर, भोपाल, चेन्नई और आंध्र प्रदेश के चार परिसरों में 1,00,000 छात्रों को शिक्षित किया है। कुछ लोगों ने पूछा है कि हम इतनी बड़ी संख्या में छात्रों को प्रवेश क्यों देते हैं, मैं भारत की 146 करोड़ की आबादी की ओर इशारा करता हूं। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक इच्छुक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

मार्केट न्यूज

जरूरी नहीं रोशनी चिरागों से हो, बेटियां भी करती हैं घर को रोशन: संजीव जुनेजा

चंडीगढ़। 'इंटरनेशनल डॉटर्स डे' के अवसर दिविसा हर्बल्ज़ प्रा. लि. के सुप्रसिद्ध प्रोडक्ट आयुर्वेदिक रूप मंत्रा के सौजन्य से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कंपनी के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और बेटियों के प्रति अपने-अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर ब्रांड मशीन के नाम से मशहूर एंटरप्रन्योर और इंवेस्टर डा. संजीव जुनेजा ने बेटियों का हमारे जीवन में होने के महत्व बताते हुए कहा कि बेटियां भगवान का दिया हुआ वह अनमोल उपहार हैं जो हमारे जीवन में अपार खुशियां और प्यार लाती हैं। हमारे घर-आंगन को खुशियों से भर देती हैं। आपकी राजकुमारी यह सुनने की हकदार है कि आप उससे कितना प्यार करते हैं। भले ही वह बड़ी हो गई हो और घर से दूर हो, फिर भी है तो वो आपकी राजकुमारी ही। उन्होंने अपनी बेटी के बारे में भी कहा कि "मेरी नन्ही परी, तुम मेरी कमजोरी नहीं, बल्कि मेरी ताकत हो। मैं तुम्हारे लिए जीवन और समाज की हर परिस्थितियों और चुनौतियों से लड़ने के लिए हमेशा तैयार हूं।" कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए डा. जुनेजा ने कहा कि बेटियों में आत्मविश्वास होना बहुत जरूरी है और उन्हें यह मिलता है, अपनों के विश्वास, प्यार और खुद के दृढ़ व्यक्तित्व से।

हैदराबाद में मूसलाधार बरसात से शहर अस्त- व्यस्त

1,000 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया | भारी बारिश से मूसी नदी खतरे के निशान से ऊपर

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

शनिवार को भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। मूसलाधार बारिश के बाद शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली मूसी नदी खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी। स्थिति और गंभीर हो गई जब अधिकारियों ने हैदराबाद के जुड़वां जलाशयों-हिमायतसागर और उस्मानसागर-के गेट खोल दिए। इससे नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और चादरघाट पुल के पास नदी उफान पर आ गई। हैदराबाद समेत तेलंगाना के कई हिस्सों में निचले इलाकों में पानी घुस गया। अधिकारियों ने 1, 000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और उन्हें राहत शिविरों में ठहराया। कई घर पानी में डूब गए, वहीं रंगारेड्डी जिले की मीरपेट नगर निगम सीमा के मिथिला नगर कॉलोनी समेत कई कॉलोनियों में घुटनों तक पानी भर गया।

मुंबई : बारिश का अलर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। अरब सागर के ऊपर बन रहे दबाव की वजह से जाते हुए मानसून में जमकर बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि मुंबई में 24 घंटे में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, कोंकण तट और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में तेज हवाओं और बिजली गरजने के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

वैश्विक पनडुब्बी बचाव के लिए प्रतिबद्ध भारत

नई दिल्ली (ब्यूरो)। दक्षिणी चीन सागर में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच भारतीय नौसेना ने एक्सपीआर-25 युद्धाभ्यास के समुद्री चरण के तहत विदेशी पनडुब्बी जहाजों के साथ अपनी पहली मुलाकात की अहम उपलब्धि हासिल की है। एक्स पर नौसेना ने इसकी जानकारी दी। जिसमें तीन पनडुब्बियां, तीन साथी और तीन दिन टाइटल देते हुए बताया कि भारतीय नौसेना ने हस्तक्षेप और बचाव कार्यों के पूर्ण स्पेक्ट्रम का संचालन करते हुए युद्धाभ्यास के दौरान दक्षिण चीन सागर में विदेशी पनडुब्बियों के साथ पहली मुलाकात सफल रही। इन तीन दिनों तक हम सभी आरओवी अभियान में शामिल थे। यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय पनडुब्बी बचाव के लिए हमारी तत्परता, अंतर-संचालन और प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

भारत बोला- पाक की विदेश नीति का आधार ही आतंकवाद

न्यूयॉर्क। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के हर दावे की सच्चाई दुनिया के सामने उजागर कर दी। पेटल गहलोत ने पाक पीएम के हर दावे पर तंज कसते हुए कहा कि पाकिस्तान का झूठ सच्चाई नहीं छिपा सकता। शहबाज शरीफ के 'हमने युद्ध जीत लिया' वाले दावे का मजाक उड़ाते हुए कहा कि अगर तबाह रनवे और जले हुए हैंगर को पीएम शरीफ की तरह जीत माना जाए तो पाक को इसे मनाने का पूरा हक है और वे इस पर 'आनंदित' हो सकते हैं। भारत ने उनके खिलाफ युद्ध जीतने के दावों का मजाक उड़ाते हुए चेतावनी दी कि वह परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा और आतंकवादियों एवं उनके प्रायोजकों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

यूएन में बोले पीएम शरीफ

कट्टरपंथी हिंदुत्व खतरा

पाक के पीएम शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में दावा किया कि भारत के साथ हुए संघर्ष में पाकिस्तान की जीत हुई थी। इस दौरान भारत के 7 विमान गिराए थे। उन्होंने कहा कि भारत का कट्टरपंथी हिंदुत्व दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा है। शहबाज ने भारत पर सिंधु जल संधि को एकतरफा तौर पर रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह न सिर्फ संधि का उल्लंघन है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून का भी उल्लंघन है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि अगर उनका दखल नहीं होता तो पूरे इलाके में बड़ी जंग हो सकती थी।

चार देशों की यात्रा पर रवाना राहुल गांधी

भाजपा ने की आलोचना- भारत के खिलाफ वैश्विक गठबंधन बना रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दक्षिण अमेरिका के चार देशों की महत्वपूर्ण यात्रा शुरू की है।

इस दौरान वे राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापारिक समुदाय के साथ मुलाकात करेंगे। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने इसकी जानकारी दी।

अब किस भारत विरोधी से मिलेंगे?

भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को विपक्षी नेता राहुल गांधी की चार दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा की आलोचना की, आरोप लगाते हुए कहा कि वह भारत के खिलाफ 'वैश्विक गठबंधन' बना रहे हैं, और अरबपति जॉर्ज सोरोस 'उन्हें निर्देशित कर रहे हैं'। एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने लिखा कि राहुल गांधी फिर से एक विदेशी यात्रा पर गए! राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका की ओर रवाना हुए हैं! अनुमान लगाइए कि अगला भारत विरोधी तत्व कौन होगा जिसे राहुल बंद दरवाजों के पीछे मिलेंगे!

जी4 और ब्रिक्स देशों ने यूएन में भारत की स्थायी सदस्यता की मांग की

यूएनएससी का प्रभाव घट रहा, तत्काल सुधार जरूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जी4 देशों (ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान) के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर एक बैठक की। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा, जर्मनी के संघीय विदेश मंत्री जोहान वेडफुल और जापान के विदेश मंत्री इवाया ताकेशी बैठक में शामिल थे। जी4 देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त बयान में कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बढ़ती अस्थिरता और संयुक्त राष्ट्र की घटती प्रभावशीलता के बीच सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार जरूरी है।

शांति और सुरक्षा देने वाले देशों की भागीदारी बढ़ाएं

जी4 देशों ने सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों और अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले देशों की भूमिका और भागीदारी बढ़ाने की जरूरतों पर सहमति व्यक्त की। जी4 देशों के विदेश मंत्रियों ने दोनों सदस्यता श्रेणियों में अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन जैसे कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों और समूहों के प्रतिनिधित्व में सुधार के महत्व पर जोर दिया।

परिषद का विस्तार हो

जी4 देशों का कहना था कि वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए परिषद का विस्तार स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में होना चाहिए, ताकि इसकी प्रतिनिधित्व, वैधता, प्रभावशीलता और दक्षता बढ़ाई जा सके। मंत्रियों ने इस बात पर सहमति जताई कि अधिकांश सदस्य देश इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं।

अगले वर्ष भारत करेगा अध्यक्षता

ब्रिक्स देशों ने पहलगाम हमले और ट्रंप टैरिफ की निंदा की

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में 2026 में भारत की आगामी ब्रिक्स अध्यक्षता, आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग, और वैश्विक व्यापार में बढ़ती बाधाओं पर चिंता प्रमुख रहे। बैठक की अध्यक्षता भारत ने की, जिसमें विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सत्र का नेतृत्व किया। भारत अगले वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने जा रहा है और इस संदर्भ में उसे सभी सदस्य देशों का समर्थन मिला। बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में मंत्रियों ने पहलगाम हमले की निंदा की और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की पुष्टि की। भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता की आकांक्षाओं का समर्थन किया। टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों में अंधाधुंध वृद्धि, संरक्षणवादी नीतियों, और एकतरफा व्यापार प्रतिबंधों पर गहरी चिंता व्यक्त की।

पैरा विश्व तीरंदाजी: पैरों और ठुड्डी की सहायता से लगाया अचूक निशाना, 18 साल की शीतल ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| ग्वांग्जू

भारत की 18 वर्षीय शीतल देवी ने विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में तुर्किये की दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज ओजनूर क्यूर गिर्डी को 146-143 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्पर्धा में शीतल एकमात्र बिना बाजू वाली पैरा तीरंदाज हैं। वह निशाना लगाने के लिए अपने पैरों और ठुड्डी का इस्तेमाल करती हैं और यह चैंपियनशिप में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले शीतल और सरिता ने कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा में रजत पदक। शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता।

बिना बाजू वाली पैरा तीरंदाज ने दुनिया की नंबर एक ओजनूर क्यूर गिर्डी को 146-143 से हराया

शीतल ने संयम से लगाए निशाने

व्यक्तिगत फाइनल तनावपूर्ण था लेकिन शीतल ने संयम से निशाने लगाए। पहला राउंड 29-29 से बराबरी पर था, लेकिन शीतल ने दूसरे राउंड में 10-10 के तीन शॉट लगाकर 30-27 से जीत बढ़त हासिल की। तीसरा राउंड भी 29-29 से बराबरी पर था। चौथे राउंड में शीतल मामूली अंतर से चूक गईं, जिसमें उन्होंने 28 अंक बनाए और गिर्डी एक अंक से इसे जीत गईं। हालांकि फिर भी शीतल ने 116-114 के स्कोर पर दो अंक की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद उन्होंने अंतिम राउंड में तीन सटीक तीर से 30 अंक बनाकर अपना पहला स्वर्ण पदक पक्का किया।

कंपाउंड में सरिता के साथ जीता रजत

इससे पहले जम्मू कश्मीर की इस तीरंदाज ने सेमीफाइनल में ब्रिटेन की जोड़ी ग्रिनहम को 145-140 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। यह खिताबी मुकाबला 2023 पिलसन विश्व चैंपियनशिप का दोहराव था, जिसमें गिर्डी ने शीतल को 140-138 से हराया था। कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा में शीतल और सरिता को फाइनल में तुर्की से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए बनाई बढ़त

भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले राउंड में गिर्डी और बुर्सा फातमा उन की तुर्की की जोड़ी पर 38-37 की बढ़त बनाई। भारतीय जोड़ी ने अपने शुरुआती चार तीर से तीन बार 10 अंक जुटाए जबकि तुर्की की जोड़ी केवल एक बार ही 10 अंक बना सकी। तुर्की की तीरंदाजों ने दूसरे राउंड में तीन बार 10 अंक से 39 अंक जुटाकर वापसी की और स्कोर 76-76 से बराबर कर दिया। तीसरे राउंड में भारतीय जोड़ी दबाव में आ गई। शीतल और सरिता एक बार 10, दो बार नौ और एक बार आठ अंक से कुल 36 अंक ही बना पाईं। भारतीय टीम 36 अंक ही बना पाई, जिसमें एक तीर सात अंक पर लगा। तुर्की ने 152-148 से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

आज रात 8 बजे से एशिया कप फाइनल

हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत की नजर जीत हासिल करने पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

जीत ही सब कुछ नहीं होती लेकिन 11 भारतीय क्रिकेटर रविवार को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उतरेंगे तो उनकी नजरें सिर्फ जीत हासिल करने पर टिकी होंगी। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले की तैयारी के बीच मैदान पर खेल और मैदान के बाहर की राजनीति के बीच की रेखाएं धुंधली पड़ गई हैं। अमेरिकी राजनीतिक कार्यकर्ता और लेखक माइक मार्कुसी के शब्दों में यह 'बिना गोलीबारी के युद्ध' जैसा है। वर्षों से भारत-पाकिस्तान मुकाबले में रोमांच की कमी नहीं रही है लेकिन शायद ही कभी यह इतनी उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि में हुआ जब क्रिकेट के मैदान के बाहर का तनाव, उत्तेजक इशारे और दोनों पक्षों पर लगे जुर्माने इससे जुड़े हुए प्रतीत हों। फिर भी शोरगुल से परे क्रिकेट अपने आप में आकर्षक रहा है और इस दौरान सुर्खियां अभिषेक शर्मा के 200 से अधिक के शानदार स्ट्राइक रेट और कुलदीप यादव के 13 विकेट ने बटोरी। अफसोस की बात है कि ये उपलब्धियां भी अक्सर टकराव और बहस की भेंट चढ़ जाती हैं। इसकी शुरुआत भारत की पहले मैच में 'हाथ नहीं मिलाने की' नीति से हुई जब कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस के समय और मैच के बाद हाथ मिलाए बिना चले गए। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राऊफ ने तानों, अपशब्दों और यहां तक कि विमान दुर्घटना का इशारा करके जवाब दिया, जिससे एक ऐसा बवाल मचा कि दोनों ही आईसीसी की जांच के घेरे में आ गए और उन पर 30 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया।

टीम इस प्रकार

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा और रिंकू सिंह।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस राऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी और सुफयान मोकिम।

युवा जोश और अनुभवी कंधों पर सवार टीम को विश्वकप जीतने की उम्मीद

दुबई। कप्तान हरमनप्रीत कौर को विश्वास है कि मंगलवार 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम में हर विभाग में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के अच्छे मिश्रण से उनकी टीम को पहली बार विश्व खिताब जीतने में मदद मिलेगी। भारत चौथी बार आईसीसी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। टीम इससे पहले दो मौकों पर खिताब जीतने के करीब पहुंची थी। भारतीय टीम ने पिछली बार 2017 में फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन तब मिताली राज की अगुवाई वाली टीम लॉर्ड्स में इंग्लैंड से रोमांचक मुकाबले में हार गई थी। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता की अच्छी तैयारी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय श्रृंखला जीती और फिर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को घरेलू सरजमीं पर कड़ी टक्कर दी लेकिन श्रृंखला में मेजबान टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

संधू कट हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय

ताइपे सिटी। युवराज संधू दूसरे दौर में दो ओवर 74 के स्कोर से मरकरीज ताइवान मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में कट हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय गोल्फर रहे। दो दौर के बाद संधू का कुल स्कोर चार ओवर है और वह संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर हैं। इस बीच विराज मादप्पा (82-69), शिव कपूर (76-77), राहिल गंगजी (80-74), एसएसपी चौरसिया (79-75), अजितेष संधू (79-77) और राशिद खान (77-82) कट हासिल करने में नाकाम रहे। भारतीय अमेरिकी मानव शाह भी दूसरे दौर में चार ओवर 76 के स्कोर से कुल छह ओवर से स्कोर से कट हासिल नहीं कर पाए।

प्रणवी का शानदार प्रदर्शन

ड्यूविले (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स दूसरे दौर में तीन अंडर 68 के स्कोर से यहां लेडीज यूरोपीय टूर के लाकोस्टे लेडीज ओपन डि फ्रांस में संयुक्त 16वें स्थान पर हैं। प्रणवी का दो दौर के बाद कुल स्कोर चार अंडर है।प्रतियोगिता में एक दौर का खेल बाकी है। दीक्षा डागर भी दूसरे दौर में दो अंडर 69 के स्कोर से कट हासिल करने में सफल रहीं। एक अंडर के कुल स्कोर से वह संयुक्त 44वें स्थान पर हैं।

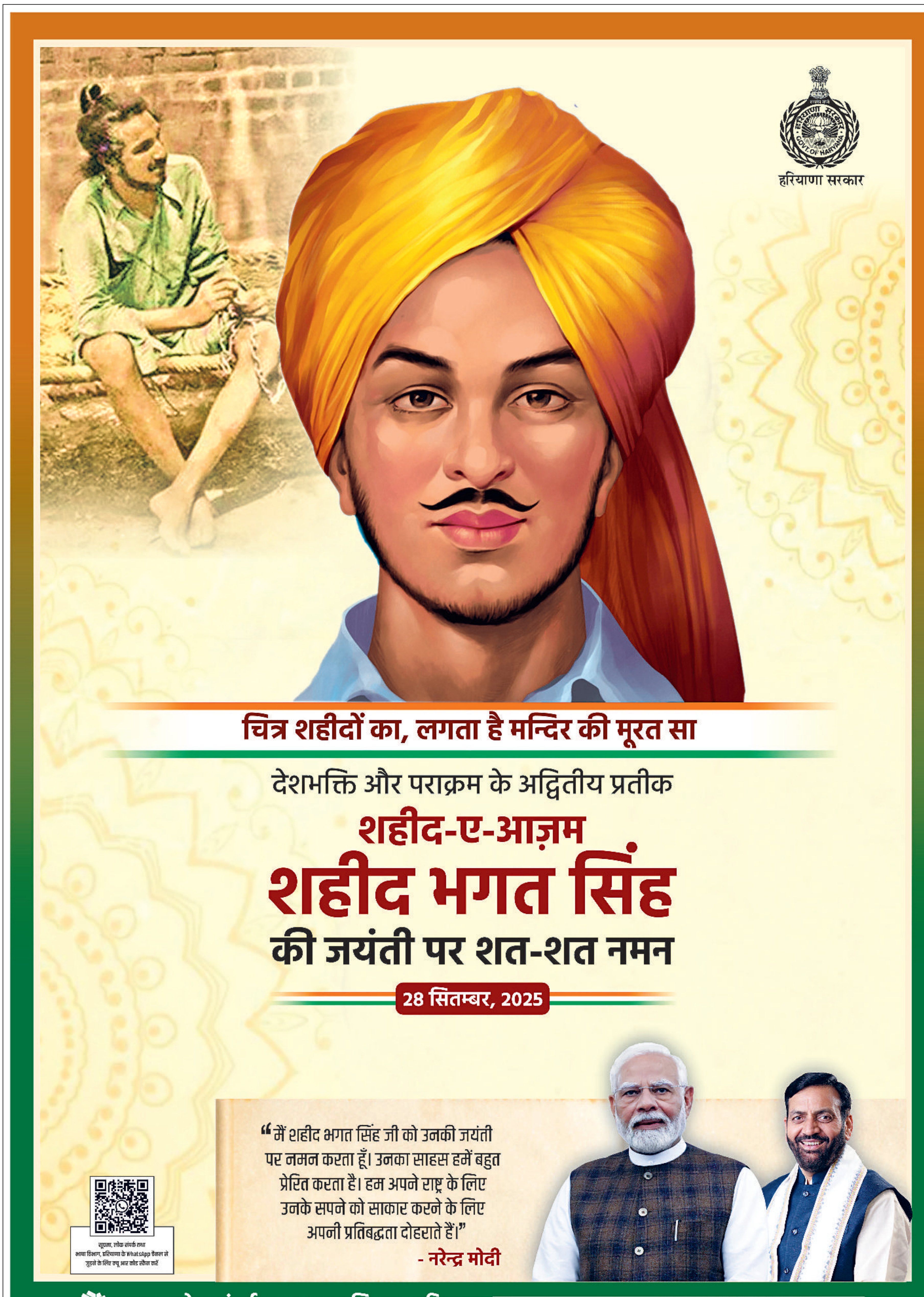

विश्व पैरा एथलेटिक्स

थेकरा ने थ्री-व्हील फ्रेम रनिंग में जीता गोल्ड, बनाया विश्व रिकॉर्ड

लंबी कूद टी37 स्पर्धा में शियाओयान ने जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की थेकरा अलकाबी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन महिलाओं की 100 मीटर टी71 फ्रेम रनिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक जीता। टी71 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है, जिनके धड़ और पैरों में गतिशीलता काफी हद तक प्रभावित होती है। अलकाबी 19.89 सेकेंड का समय निकालकर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रही। इस 23 साल की खिलाड़ी ने लिथुआनिया की बेला मोरकस के इस साल जुलाई में कायम 20.08 सेकेंड के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मोरकस ने यहां 21.53 सेकेंड के समय के साथ रजत जबकि पोलैंड की मिरियम डोमिनिकोवस्का ने 23.56 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। अलकाबी का इस स्पर्धा में पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23.58 सेकेंड था। उन्होंने इससे पहले 2023 हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में एफ32 क्लब थ्रो स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

400 मीटर टी20 के फाइनल में दीप्ति

नई दिल्ली। भारत का विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अभियान शानदार तरीके से शुरू हुआ जब धाविका दीप्ति जीवनजी ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तेलंगाना की 22 वर्षीय खिलाड़ी ने शुरुआती दौर की दूसरी हीट में 58.35 सेकेंड का समय लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। पहली हीट में वेनेजुएला की लियोनेला कोरोमोटो वेरा कोलिना ने 57.10 सेकेंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया, जो उनका भी सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय है। मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक तुर्की की आयसेल ओन्डर 57.88 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। ओन्डर ने पिछले साल पेरिस पैरालंपिक में 54.96 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

रश्मिका-कपिल ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजों ने डॉ. कर्णी सिंह रेंज में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किए। रश्मिका और कपिल ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। रश्मिका और कपिल ने खिताबी दौर में वंशिका चौधरी और एंटोनी जोनाथन गेविन की एक अन्य भारतीय जोड़ी को 16-10 से हराया। इनेस ओर्टेगा कास्त्रो और लुकास सांचेज की स्पेन की जोड़ी ने पेरिमाह अमीरी मोहम्मद रेजा अहमादी की ईरान की जोड़ी को 16-14 से हराकर कांस्य पदक जीता। रश्मिका और कपिल की जोड़ी ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया और क्वालीफिकेशन में 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25

पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रंप के नाम की नोबेल पुरस्कार के लिए सिफारिश क्या कर दी है कि डोनाल्ड ट्रंप पाक के वास्तविक जेहादी चरित्र को पूर्णतः नकार कर उसके सारे गुनाहों को दरकिनार करते हुए गले से लगा रहे हैं। स्मरण कीजिए 10 मई को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वाशिंगटन की मध्यस्थता के चलते भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तकरीबन 42 दफा दोहराए गए इस दावे को और आगे भविष्य में ना जाने कितनी दफा दोहराया जाएगा। भारत सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को कदाचित स्वीकार नहीं किया। इसी से ट्रंप खार खाए हुए हैं। यही कारण है कि वे आतंक के पोषक पाक के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर को शानदार इंसान और शानदार नेता बता रहे हैं। इस घटनाक्रम से स्पष्ट तौर से सिद्ध हो जाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत के प्रति किस कदर शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। वह भारत पर चौतरफा दबाव बनाने की कोशिशों में लगे हुए हैं। जब भारत उनके इस प्रेशर में आता नजर नहीं आ रहा तो अब वे ब्लैकमेलिंग पर उतर आए हैं। ट्रंप की इसी रणनीति का खुलासा करता *आजकल* का खास अंक...

ट्रंप लगातार भारत पर हमलावर क्यों

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

अंतरराष्ट्रीय संबंधों की अत्यंत कड़वी सच्चाई को हाल ही में भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक संबंधों में आ गई कटुता के आईने में देखा जा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अंजाम दिए जा रहे सारे कारनामों के फलस्वरूप भारत के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंच रही है। हाल में ही राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि विदेशों में निर्मित ब्रांडेड दवाओं पर एक अक्टूबर 2025 से 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो जाएगा, जबकि भारत में निर्मित मेडिसिन बड़ी तादाद में अमेरिका को निर्यात की जाती है।

अपने विगत कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप पाकिस्तान को वैश्विक जेहादी आतंकवादियों को पनाह देने वाला और परवरिश करने वाला सबसे खतरनाक और निकृष्ट मुल्क कहकर संबोधित करते थे। वर्तमान द्वितीय कार्यकाल में आश्चर्यजनक तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के लिए पाकिस्तान सबसे प्यारा दुलारा मुल्क बन गया है।

हुकूमत ए पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रंप के नाम की नोबेल प्राइज के लिए सिफारिश क्या कर दी है कि पाकिस्तान के वास्तविक जेहादी चरित्र को पूर्णतः नकार करके और उसके सारे गुनाहों को दरकिनार करके राष्ट्रपति ट्रंप ने उसको अपने गले से लगा लिया है। स्मरण कीजिए 10 मई को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के तत्पश्चात भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम अंजाम देने के लिए सहमत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तकरीबन 42 दफा दोहराए गए इस दावे को और आगे भविष्य में ना जाने कितनी दफा दोहराया जाएगा। भारत सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को कदाचित स्वीकार नहीं किया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और भारत के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम डोनाल्ड ट्रंप ने अंजाम दिलवाया था।

राष्ट्रीय हित ही सर्वोपरि

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी तीसरे पक्ष के सक्रिय हस्तक्षेप से भारत सरकार ने स्पष्ट इनकार कर दिया है। यही प्रस्थान बिंदु है, जहां से डोनाल्ड ट्रंप की हमलावर शत्रुता भारत के विरुद्ध प्रारम्भ होती है। राजनेताओं के मध्य स्थापित हुए व्यक्तिगत रिश्ते किसी मुल्क की विदेश नीति का कदापि आधार नहीं बन सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और विदेश नीति में केवल राष्ट्रीय हित ही सर्वोपरि होते हैं। राष्ट्रीय हितों के सरोकार अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विदेश नीति का सदैव ही आधार स्तंभ होते हैं। ग्लोबल इकोनॉमी का नारा अमेरिका द्वारा ही बुलंद किया गया था। आज के दौर में डोनाल्ड ट्रंप की कयादत में दुनिया को ग्लोबल विलेज बनाने का सपना चूर-चूर हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों की अत्यंत कड़वी सच्चाई को हाल ही में भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक संबंधों में आ गई कटुता के आईने में देखा और परखा जा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अंजाम दिए जा रहे सारे कारनामों के फलस्वरूप भारत के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंच रही है। राष्ट्रपति ट्रंप के कारनामों से अमेरिका भी गहरे गर्त में गिरता जाएगा। भारत की दोस्ती और भरोसा गंवाकर आखिरकार अमेरिका द्वारा चीन से किस तरह से मुकाबला किया जा सकेगा।

ट्रंप का शत्रुतापूर्ण व्यवहार

पाकिस्तान अपने जन्म काल से ही भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के तत्पश्चात एक शत्रु देश बन गया। भारत और पाकिस्तान के मध्य चार बड़े सैन्य युद्ध अंजाम दिए जा चुके हैं। इन चारों सैन्य युद्धों में बुरी तरह से शिकस्त खाकर और भारत के विरुद्ध सीधा युद्ध करने की कुव्वत नहीं रख सकने के कारणवश पाकिस्तान के हुक्मरान विगत तकरीबन 37 वर्षों से भारत के विरुद्ध कश्मीर में प्राक्सी बार संचालित कर रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का और उसके सैन्य कमांडर इन चीफ जनरल आसिफ मुनीर का रेड कारपेट बिछाकर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा व्हाइट हाउस में खैरमक़दम अंजाम दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के संबोधन के मुताबिक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल शानदार इंसान हैं। इस घटनाक्रम से स्पष्ट तौर से सिद्ध हो जाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत के प्रति किस कदर शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। हाल ही में सऊदी अरब और पाकिस्तान के मध्य संपन्न हुई सैन्य संधि जिसे स्ट्रैटेजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंट शीर्षक प्रदान किया गया, इस सऊदी-पाक सैन्य संधि को अंजाम तक ले जाने की पृष्ठभूमि में जो शख्सियत विद्यमान है वो है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। दूसरे विश्व युद्ध के बाद अभी तक गल्फ मुल्कों को सैन्य संरक्षण अमेरिका प्रदान करता रहा है।

गल्फ मुल्कों को पाक संरक्षण

अब मुस्तक़बिल में गल्फ मुल्कों को सैन्य संरक्षण अमेरिका का सबसे प्यारा देश बन गया पाकिस्तान उपलब्ध कराएगा। क्योंकि विश्व पटल पर पाकिस्तान ही एकमात्र ऐसा इस्लामिक देश है, जिसके पास परमाणु अस्त्रों की अत्यंत विकट शक्ति विद्यमान है। हालांकि इस्लामी देशों की कतार में अमेरिका का प्रबल शत्रु देश ईरान भी परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाने के कगार पर है। ऑर्गेनाइजेशन का इस्लामिक कंट्रीज (ओआईसी) का लीडर मुल्क सऊदी अरब रहा है। डोनाल्ड ट्रंप सऊदी अरब को भारत का शत्रु और पाकिस्तान का परम मित्र बनने पर आमादा हो गए हैं। अपने चेहते देश पाकिस्तान पर डोनाल्ड ट्रंप ने केवल 19 प्रतिशत टैरिफ आयद किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऐलान किया है कि पाकिस्तान के तेल भंडारों के विकास पर भी जबरदस्त इमदाद प्रदान की जाएगी। अमेरिका को अगेन ग्रेट और अमेरिका फर्स्ट बनाने का नारा बुलंद करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में बड़े-बड़े ऐलान किए थे कि वह दो दिनों के अंदर यूक्रेन-रूस की जंग को समाप्त कर देंगे और गाजा जंग का खात्मा कर देंगे। राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री नेतन्याहू को कूटनीतिक दबाव में लेने में नाकाम रहे, डोनाल्ड ट्रंप अब रूस-यूक्रेन युद्ध की तोहमत को भारत पर थोपने में लगे हुए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की गुस्ताखी देखिए कि उनके द्वारा चीन के मुकाबले में दोगुना टैरिफ भारत पर आयद कर दिया गया। साम्यवादी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ट्रंप द्वारा थोपे गए टैरिफ के जवाब में अमेरिका पर दो गुना टैरिफ आयद कर दिया है। फिर क्या था ट्रंप ने चीन पर टैरिफ बहुत कम कर दिया। लोकतांत्रिक भारत ने वस्तुतः अभी तक अत्यंत सदाशयता के साथ काम लिया है और अमेरिकी टैरिफ का कदाचित कड़ा प्रति उत्तर नहीं दिया है। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन के यूरोपियन देश रूस के साथ कितना बड़ा व्यापार यूक्रेन युद्ध के दौर में जारी रखे हुए हैं। इस जीवंत तथ्य पर कोई तल्ख टिप्पणी ट्रंप आखिरकार क्यों नहीं करते हैं?

नोबेल पीस प्राइज की सनक

हाल में ही राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि विदेशों में निर्मित ब्रांडेड दवाओं पर एक अक्टूबर 2025 से 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो जाएगा। भारत में निर्मित जेनेरिक और ब्रांडेड मेडिसिन बड़ी तादाद में अमेरिका को निर्यात की जाती है। डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ-साथ अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर अमेरिका पर भी हमला कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल पीस प्राइज हासिल करने की अपनी सनक में आगे देखना है कि क्या-क्या नए गुल खिलते हैं।

आक्रामक कूटनीति ही शांति का आधार

रणनीति
कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र पत्रकार

सुपर पावर अमेरिका को टक्कर देने वाला चीन आज भी एक विकासशील देश है। स्वतंत्र भारत में विदेश नीति की शुरुआत कल्पनाओं से हुई, जिसका भारी खामियाजा हमें आज तक भुगतना पड़ रहा है। पहले पाकिस्तान और उसके बाद चीनी आक्रमण के बाद भारत की मोदी सरकार ने सबसे पहले सैन्य को मजबूत करने पर ध्यान दिया किन्तु कूटनीति और विदेश नीति कैसे चलानी चाहिए, यह हमने अभी तक नही सीखा है। पिछले तीन दशक से चीन सामरिक और आर्थिक रूप से भारत से बहुत आगे निकल गया है। चीन एक कम्युनिस्ट देश है और उसका पूरा तंत्र सत्ता द्वारा नियंत्रित है। चीन के शासन का अपने यहां लोगों और साधनों पर पूरा नियंत्रण है। उसके शासकों के लिए नीतियां बनाना और उन्हें बलपूर्वक लागू करना आसान है इसलिए उसने तीन दशक से सामरिक और आर्थिक शक्ति में जो अभूतपूर्व प्रगति की है उसे समझा जा सकता है। चीन एक विशाल देश और अत्यंत प्राचीन सभ्यता है। उसके पास न प्रतिभा की कमी है, न साधनों की। लेकिन चीन जैसी केंद्रीय व्यवस्थाओं को सर्वतोमुखी विकास सम्भव नहीं होता। यूरोप और अमेरिका के बीच चीन की बढ़ती हुई शक्तियों को इसी रूप में देखा जा सकता है। विशेष तौर से अमेरिका इसे एक चुनौती की तरह देखने लगा है। इस समय अमेरिका विश्व की प्रमुख तरह की शक्ति है और उसे लग रहा है कि चीन उसके लिए धीरे-धीरे सामरिक और आर्थिक चुनौती बनता जा रहा है। इस आधार पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन को घेर रहे हैं। उसके साथ भारत पर हावी होने और कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत पर कड़क आर्थिक मार देकर भारत को दबा रहे हैं। चीन से सावधान रहने की बार-बार चेतावनी मिलती रही है। भारत के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार किन कारणों से करेगा ? कोई ठोस आधार ही वह कारण हो सकता है जो भारत के पास हो। हम शांतिप्रेमी हैं, यह कोई कारण नहीं जिससे कोई देश हमें महत्व दे। भारत की इसी आधार पर उपेक्षा भी कर सकता है कि ऐसे देश से कोई समस्या नहीं होने वाली। वह इतना स्पष्ट है कि भारतीय नेताओं द्वारा इसे न समझा जाना आश्चर्यजनक है। पड़ोसी देश भी भारत के लिए कुतर्क की बात कर डराना चाहते हैं। पाकिस्तान कंगाल देश होने के बावजूद और भारत की ताकतवर सेना होने के बाद भी धमकियां देता है। चीन में अब तक कोई भी आतंकवादी हमला क्यों नही हुआ ? क्योकि मुसलमानों को चीन के संविधान का पालन करना पड़ता है। चीन में मुसलमानों के साथ कैसा व्यवहार होता है,उसके लिए पाकिस्तान और कट्टरवादी समाज उनका विरोध क्यों नहीं करते हैं। इसलिए भारत को आक्रामक होना होगा। भारत को धमकियों से डरने की प्रवृति छोड़नी चाहिए। यह प्रवृत्ति दुश्मनों को आकर्षित करती है। चीन के साथ हमारी पराजय ग्रंथि दूर कर एक मंच पर मोदी व शी जिनपिंग ने द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया। चीन ने कई वर्षों तक भारत से किनारा किया। अमेरिका के बढ़ते दबाव के कारण भारत से चीन ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया। चीन ने अमेरिका और भारत के बीच तनाव को देखते हुए भारत के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बंध स्थापित कर लिए। चीन ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं। भारत के साथ आयात निर्यात की सभी सीमाएं खत्म होने के बाद चीन को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। इस बीच भारत और अमेरिका के टैरिफ को लेकर बिगड़ते रिश्तों को देखकर चीन ने पासा फेंककर भारत के साथ राजनयिक रिश्ते मजबूत कर लिए लेकिन पाकिस्तान को मदद करना चीन ने आज भी नहीं छोड़ा है। चीन ने पाकिस्तान के साथ हजारों करोड़ का सौदा किया है। चीन अभी भी विकासशील देश का टैग पहने हुए है। यह नकाब कब उतरेगा, क्योंकि विकासशील देश का टैग पहने रहने से टैरिफ और एसडीटी जैसी सब्सिडी का लाभ मिलता है। अमेरिका से धोखा मिलने के बाद चीन ने भारत को बहुत बड़ा मार्केट दिया। 1962 के बाद भारत ने डटकर तिब्बत की स्वायत्तता का मुद्दा उठाया होता तो निश्चित मानिए चीन को हमारे साथ सद्भावनापूर्ण सम्बंध बनाने की चिंता होती। चीन के प्रति अब तक हमारा जो अज्ञान बना हुआ था,उसके कारण हम न उसकी वास्तविक शक्ति को समझते हैं, न कमजोरियों को। चीन ने भी इतने वर्षों तक हमारे बारे में अज्ञानतावश उतने ही भ्रम पाले हुए थे। लेकिन दोनों देशों के बीच सुधरे रिश्तों ने नई मिसाल पेश की है। चीन ने हमारे साथ शत्रु भाव पाल रखा था। उसकी जड़ें पाकिस्तान था क्योंकि भारत में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों के कहर को पाकिस्तान भारत की चाल करार देता था। चीन ने पाकिस्तान को हमेशा गुलाम बनाकर रखा है। चीन ने हजारों हैक्टेयर जमीन पाकिस्तान से अनुदान के एवज में कब्जाई हुई है। फिर भी चीन से भारत को सतर्क रहना होगा।

अमेरिका को लग रहा है कि चीन उसके लिए चुनौती बनता जा रहा है। इस आधार पर ट्रम्प चीन को घेर रहे हैं। उसके साथ कूटनीतिक दृष्टिकोण से कड़क आर्थिक मार देकर भारत को दबा रहे हैं।

प्रतिभा के पलायन को रोकने का बड़ा मौका

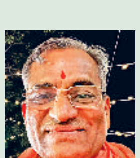

अवसर
प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद व चिंतक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी कर दी है। पहले जहां यह फीस लगभग 80 हजार रुपये थी, वहीं अब इसे 80 लाख रुपये तक बढ़ा दिया है। स्वाभाविक है कि अब पहले जितनी संख्या में भारतीय युवा अमेरिका नहीं जा पाएंगे। इस फैसले से दुनिया भर में उथल-पुथल मची है, जिसका फायदा उठाने की कोशिश चीन कर रहा है। उसने 'के वीजा' नामक नई श्रेणी की घोषणा की है जिसके तहत वह दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी प्रोफेशनल्स को अपने यहां आकर्षित करना चाहता है। यह वीजा शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान तकनीक और व्यवसाय के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराएगा। भारत के लिहाज से यह स्थिति एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों लेकर आई है। चुनौती इसलिए क्योंकि अमेरिकी दरवाजे बंद होने के बाद चीन नए अवसर देकर हमारी प्रतिभाओं को अपने यहां खींच सकता है। अवसर इसलिए है क्योंकि यह भारत के लिए प्रतिभा पलायन रोकने का सुनहरा मौका है। अब जरूरत इस बात की है कि सरकार, उद्योग जगत और कॉर्पोरेट सेक्टर मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहां हमारे युवा देश में रहकर ही अपने सपनों को साकार कर सकें। भारत हमेशा से ही शिक्षा और प्रतिभा के मामले में समृद्ध रहा है पर प्रतिभा पलायन हमारी बड़ी समस्या है। हर साल लाखों छात्र-छात्राएं इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और रिसर्च के क्षेत्र में पढ़ाई पूरी करते हैं लेकिन अफसोस है कि उनमें से बड़ी संख्या में युवा विदेशों का रुख कर लेते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत में शोध के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं, रोजगार के अवसर सीमित हैं और जो अवसर उपलब्ध हैं, उनमें योग्य प्रतिभा को सम्मान और सुरक्षा का अभाव है। डॉक्टर, इंजीनियर और आईटी प्रोफेशनल विदेश जाकर वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं जबकि उनकी प्रतिभा का लाभ भारत को मिलना चाहिए। एक तरफ हम युवाओं की शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, दूसरी ओर वे अवसरों की कमी के कारण देश छोड़ जाते हैं। यह भारत के विकास के लिए बड़ी हानि है। ट्रंप का वीजा फीस वृद्धि का कदम दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन भारत को इसे सकारात्मक रूप में देखना चाहिए। कुल मिलाकर, अमेरिकी कदम भारत के लिए सकारात्मक है। इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम अपनी प्रतिभा को यहीं रोकें और उन्हें ऐसे अवसर दें जिससे वे विदेश जाने की बजाय देश में ही काम करें। अगर हम अपने युवाओं को यहीं अवसर देंगे तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता संभव होगी। मेड इन इंडिया का सपना साकार होगा।

अब जरूरत इस बात की है कि सरकार, उद्योग जगत और कॉर्पोरेट सेक्टर मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहां हमारे युवा देश में रहकर ही अपने सपनों को साकार कर सकें।

फिलहाल ट्रंप का ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ भारत के लिए बेअसर

चुनौती
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26 सितंबर को ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान करके एक बार फिर टैरिफ लगाने की ट्रंप श्रृंखला को आगे बढ़ा दिया है। यह टैरिफ 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा। इससे पहले ट्रंप ने 27 अगस्त से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। फिलहाल ट्रंप के दवा टैरिफ का भारतीय फॉर्मा कंपनियों पर ज्यादा असर नहीं होगा। कारण यह कि भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली दवाओं में पेटेंट दवाओं का हिस्सा महज पांच फीसदी है और जेनेरिक दवाओं का हिस्सा 95 फीसदी है।

उल्लेखनीय है कि दवा टैरिफ उन कंपनियों पर नहीं लगेगा जो अमेरिका में ही दवा बनाने के लिए अपना प्लांट लगा रही हैं। ट्रंप ने यह साफ संकेत दिया है कि अगर किसी फार्मा कंपनी की अमेरिका में दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग में दिलचस्पी है तो उसे 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। साथ ही किसी कंपनी ने अमेरिका में अपना प्लांट लगाना शुरू कर दिया है तो उसे भी इस 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। इसका उद्देश्य दुनिया की बड़ी फार्मा कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना है। इस फैसले का ज्यादा असर उन देशों पर पड़ेगा जहां की फार्मा कंपनियां अमेरिका को ब्रांडेड दवाओं का निर्यात करती हैं।

गौरतलब है कि ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई और जेनेरिक दवाई में बड़ा अंतर है। चूंकि जेनेरिक दवाई का कोई नया पेटेंट नहीं होता, यह पहले से ही मौजूद फॉर्मूले पर आधारित होती है, अतएव जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनियों को रिसर्च का खर्च नहीं उठाना पड़ता, इसलिए जेनेरिक दवाइयों की कीमत ब्रांडेड दवा के मुकाबले बहुत कम होती है। खास बात यह है कि भारत जेनेरिक दवाइयां अमेरिका को निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है। पिछले वर्ष 2024-25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 10 अरब डॉलर की दवाइयां भेजीं, जो भारत के कुल दवा निर्यात का करीब एक तिहाई से अधिक है। निश्चित रूप से ट्रम्प ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाने का फैसला अमेरिका में दवा उत्पादन को बढ़ाने के लिए लिया है। ट्रम्प का दवाई टैरिफ 'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक इन अमेरिका' नीति का हिस्सा है। ट्रम्प का यह भी

भविष्य में जेनेरिक दवाइयों पर किसी टैरिफ या अन्य कोई चुनौती के मद्देनजर भारत को फॉर्मा उद्योग के क्षेत्र में रणनीतिपूर्वक मजबूत होना होगा। इससे सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था लाभांवित होगी।

मानना है कि दवाओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। कोरोना महामारी के दौरान अमेरिका ने यह देखा है कि अगर दवाई की सप्लाई चेन टूटती है तो अमेरिका में दवाओं की भारी कमी हो सकती है। ऐसे में ट्रंप ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाकर, अमेरिका की पूरी फार्मा सप्लाई चेन को सुरक्षित करने का कदम उठाया है। ट्रंप के द्वारा जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ नहीं लगाने के कुछ विशेष कारण भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में डॉक्टर रोगियों के लिए जो प्रिस्क्रिप्शन लिखते हैं, उनमें से हर 10 में से करीब 4 दवाइयां भारतीय कंपनियों द्वारा बनाई गई जेनेरिक दवाइयां होती हैं। इतना ही नहीं जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं से 80-90 फीसदी तक सस्ती होती हैं। ऐसे में अगर जेनेरिक दवाओं पर भी 100 फीसदी टैरिफ लग जाता, तो जेनेरिक दवाओं की कीमत बहुत बढ़ जाती। इससे अमेरिकी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा बहुत महंगी हो जाती, और यह सीधे तौर पर ट्रंप के लिए नए घरेलू असंतोष का कारण बन सकता था। दरअसल, भारतीय जेनेरिक दवाइयां अमेरिका के लिए लागत-बचत का एक अवसर है। आशंका है कि ट्रंप रणनीतिपूर्वक आगामी समय में जेनेरिक दवाइयों को भी टैरिफ के दायरे में ला सकते हैं। ऐसी आशंका के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में गिरावट भी आई है। विशेष रूप से फॉर्मा कंपनियों के शेयर मूल्य में बड़ी गिरावट दिखाई दी है। ऐसे में भारत को निर्यात तथा संपूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए मूल्यवान फॉर्मा सेक्टर की डगर पर नीतिगत बदलावों के लिए तैयार रहना होगा।

भारत में पेटेंटेड ड्रग मैन्युफैक्चरिंग के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ाना होगा। निवेश के लिए इंटरनेशनल पार्टनर्स तलाशने होंगे। वैश्विक सप्लाई चेन को मजबूत बनने बारे में रणनीति बनानी होगी। देश में दवाइयों की गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। सरकार के द्वारा फॉर्मा सेक्टर से संबंधित बुनियादी ढांचा को मजबूत बनाया जाना होगा। यद्यपि ट्रंप के द्वारा ब्रांडेड दवाओं पर लगाए गए 100 फीसदी टैरिफ फिलहाल भारत के लिए बेअसर हैं, लेकिन भविष्य में जेनेरिक दवाइयों पर किसी टैरिफ या अन्य कोई चुनौती के मद्देनजर भारत को फॉर्मा उद्योग के क्षेत्र में रणनीतिपूर्वक मजबूत होना होगा। इससे भारत का जो दवाई उद्योग वर्तमान में 55 अरब डॉलर के स्तर पर है, वह 2030 तक करीब 130 अरब डॉलर और 2047 तक करीब 450 अरब डॉलर की ऊंचाई पर दिखाई दे सकेगा। इससे रोजगार बढ़ेंगे, निर्यात बढ़ेंगे और सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था लाभांवित होगी।

भारत को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तानी कंधे की टेक

भेंटवार्ता
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

गत बृहस्पतिवार व्हाइट हाउस ओवल कार्यालय में ट्रंप के निमंत्रण पर पहुंचे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति से हुई भेंटवार्ता दुनिया के लिए रहस्य बनी हुई है। दोनों पक्षों की भेंट का वास्तविक कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। एकल अथवा संयुक्त रूप में भी कोई ऐसा वार्ता-विवरण प्राप्त नहीं हुआ, जो अकस्मात हुई दोनों पक्षों की वार्तालाप का कोई ठोस उद्देश्य प्रकट कर सके। अमेरिका के स्तर पर पाकिस्तान के साथ होने वाली ऐसी गुप्त वार्ता विश्व के लिए एक असुरक्षित कूटनीतिक संकेत है। जून 2025 में भी ट्रंप ने ऐसा ही किया था। तब वे कनाडा में आयोजित हो रही जी-7 की बैठक बीच में ही छोड़, अमेरिकी ओवल कार्यालय में आसिम मुनीर के स्वागत हेतु पहुंच गये थे। वह प्रकरण भी अति विचित्र था। तब जी-7 में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी का, आमंत्रित देश के प्रधान के रूप में उपस्थित होना ट्रंप के लिए असहज हो गया था। अतः मुनीर व ट्रंप की तत्कालीन भेंट भारत के संदर्भ में एक अप्रत्याशित कूटनीतिक उलझन बन गई थी। अब पुनः ट्रंप का मुनीर व शरीफ से मिलना, भारत के लिए नई कूटनीतिक समस्या उत्पन्न कर रहा है। ट्रंप की पाकिस्तानी शासकों के साथ ये उलझी हुई मैत्रीपूर्ण गुत्थी, भारत व अमेरिका के अनेक स्तरीय संबंधों को दिनोंदिन अविश्वास में धकेल रही है।

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तथा पाकिस्तान का यह नवीन संधि-आग्रह अवश्य ही भारत के प्रति दोनों देशों द्वारा बनाई-अपनाई जा रही किसी न किसी दूरगामी कूटनीति का संकेत है। इसका प्राथमिक व प्रत्यक्ष संबंध, दस दिन पहले ही अमेरिकी योजना से पाकिस्तान-सऊदी अरब के मध्य संपन्न हुए रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध से है। भारत के प्रति पाकिस्तान के शत्रुतापूर्ण आचरण को देख-समझ कर भी अपने व भारत के अनेक क्षेत्रों के महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध' द्वारा तिरोहित करने वाले सऊदी अरब को भारत ने दस दिनों में ही कई आघात दे दिए हैं। भारत ने अरब देश के

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तथा पाकिस्तान का यह नवीन संधि-आग्रह अवश्य ही भारत के प्रति दोनों देशों द्वारा बनाई-अपनाई जा रही किसी न किसी दूरगामी कूटनीति का संकेत है।

अनेक निवेश समझौतों को समीक्षा पटल पर रख दिया है। भारत से विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों द्वारा लाभान्वित होने वाले अरबी व्यापारियों के मध्य तीव्र हलचल मची हुई है। वे अरब के मुखिया को इस बारे में चेतावनियां दे रहे हैं। सऊदी ने भारत के साथ उभरती अपनी इस नवीन समस्या के बारे में जब अमेरिका को सूचित किया या अमेरिकी शासन की प्रमुख गुप्तचर मण्डली ने जब इसका स्वयं संज्ञान लिया तो स्थितियों पर नया विचार हुआ। इसीलिए अधिक संभावना यही है कि इस प्रकरण पर आगे की रणनीति निर्धारित करने सऊदी की ओर से पाकिस्तानी प्रमुखद्वय ओवल कार्यालय में ट्रंप से मिलने चले गए।

यह स्पष्ट होता चला जा रहा है कि ट्रंप भारत को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तानी कंधे का प्रयोग कर रहे हैं अथवा पाकिस्तान समेत अनेक मध्य पूर्वी मुस्लिम देशों की हिन्दू विरोधी मानसिकता को भांपकर अपने व अपने परिवार के व्यवसाय के प्रसार हेतु ऐसे देशों की भारत विरोधी कूटनीति-राजनीति को बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं, ताकि वे इनके साथ मनमाने व्यापारिक अनुबंध करके इनकी ओर से अमेरिकी अधिवक्ता बनने का अभिनय कर सके। ट्रंप के बारे में यह तो निश्चित है कि वे देशों के मध्य युद्ध को भड़काकर और फिर शीघ्र अयुद्धक शांति की घोषणा करने का मूल्य, अमेरिका व अपना व्यापार बढ़ाकर अर्जित करना चाहते हैं।

विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या धारक भारत के साथ अमेरिकी अनुकूलता के आधार पर व्यापारिक अनुबंध न होने के कारण तथा चीन को अपने अधिक लाभांश हिस्से पर व्यापार करने के लिए सहमत न कर पाने के कारण, अब अमेरिका के लिए और विशेषकर ट्रंप व उनके परिजनों के व्यापार हेतु जनसंख्या से भरे पड़े तथा अमेरिकी शर्तों पर कुछ भी करने को सहमत होने वाले पाकिस्तान व बांग्लादेश जैसे देशों से ही अमेरिका, अमेरिकी व्यापारी तथा ट्रंप व्यावसायिक लाभार्जन करना चाहते हैं।

शरीफ व मुनीर के साथ ट्रंप की अप्रत्याशित, अनियोजित भेंट का मूल उद्देश्य तो पाकिस्तान समेत दूसरे मुसलिम देशों में अमेरिकी व्यापार की संभावनायें ढूंढना है, किंतु लगे हाथ मोदी से व्यक्तिगत शत्रुता प्रदर्शित करने के लिए भारत के विरुद्ध पाकिस्तान के स्तर पर किसी न किसी अशुभकारी षड्यंत्र की रूपरेखा बनाना भी हो सकता है।

हरियाणा सरकार

उत्पादकता एंव सामाजिक न्याय
Productivity with Social Justice
LABOUR DEPARTMENT, HARYANA
श्रम विभाग, हरियाणा
शान्ति, सामंजस्य एवं सुरक्षा
Peace, Harmony and Safety
श्रमेव जयते !

"भारत को एक बार फिर सबसे तेजी से विकास कर रहे देशों में से एक बनाने का बहुत बड़ा श्रेय हमारे श्रमिकों को ही जाता है।"

- नरेन्द्र मोदी

श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह

विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी व लाभ वितरण

राज्य स्तरीय समारोह

मुख्य अतिथि

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

अध्यक्षता

श्री अनिल विज

श्रम मंत्री, हरियाणा

विशिष्ट अतिथि

राव इंद्रजीत सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा योजना (स्व.प्र.)

राव नरबीर सिंह
उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, हरियाणा

Live Launch

- श्रमिक साथी मोबाइल App
- Auto Approval of work time exemption सुविधा
- UPI & QR code से food canteen payment की सुविधा

28 सितम्बर, 2025 | दोपहर 3 बजे

ऑडिटोरियम, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम

कार्यक्रम से Live जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

लाभ तथा पुरस्कार वितरण

- 37 हजार लाभार्थियों को ₹26 करोड़ का वितरण
- 51 सिलिकोसिस लाभार्थियों को ₹2.55 करोड़ का वितरण
- श्रम रत्न पुरस्कार, श्रम भूषण पुरस्कार, श्रम वीरांगना पुरस्कार तथा श्रम वीर पुरस्कार
- 20 प्रबंधकों को सुरक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण पुरस्कार

नयी घोषणाएं

Ÿ 5 अत्याधुनिक श्रमिक सुविधा केन्द्र।

Ÿ छंटनीग्रस्त लोगों के लिए reskilling एवं सहायता पोर्टल।

Ÿ 150 श्रमिक शैड का निर्माण।

Ÿ विभिन्न labour कानूनों के अन्दर single registration and single license की सुविधा

Ÿ Motor transport workmen एक्ट में Auto renewal

Ÿ 20 से कम श्रमिकों वाले प्रतिष्ठान को दुकान एवं स्थापना अधिनियम एक्ट से छूट।

Ÿ Labour tribunals में e-Court सुविधा।

Ÿ महिलाओं को सभी क्षेत्रों में कार्य करना संभव होगा, contract women worker को भी Night शिफ्ट करना संभव होगा।

Ÿ एस्बेस्टोसिस (Asbestosis), बायसिनोसिस (Byssinosis), बैगियोसिस (Bagassiosis) में भी सिलिकोसिस की सभी 8 योजनाओं के लाभ मिलेंगे।

Ÿ मुख्यमंत्री श्रमिक कौशल विकास योजना से दोनों श्रमिक बोर्डों के श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण।

सभी सादर आमंत्रित हैं।

श्रम विभाग, हरियाणा

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा के WhatsApp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा

www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

कल्याण ज्वेलर्स
रेवाड़ी में आज
खुलने जा रहा है!
KALYAN
KALYAN JEWELLERS
कल्याण ज्वेलर्स
उद्घाटनकर्ता
श्री. बॉबी देओल
शाम 05:30 बजे
UP TO
50% OFF
ON MAKING CHARGES
KALYAN SPECIAL GOLD RATE
T&C apply.
WORLD'S MOST TRUSTWORTHY COMPANIES 2024
Newsweek
statista
LARGEST COLLECTION IN GOLD & DIAMOND JEWELLERY
SPACIOUS SHOWROOM
AMPLE CAR PARKING FACILITY
REWARI - BAWAL ROAD, MODEL TOWN. PH: 73560 50033
OPEN ON ALL DAYS
PANIPAT - PH: 83078 13433 | GURGAON - PH: 99710 53233 | GOLD SOUK MALL - PH: 73037 67833 | KARNAL - PH: 95991 53533 | HISAR - PH: 88266 93133
FARIDABAD - PH: 84484 20433 | ROHTAK - PH: 84455 43133 | KURUKSHETRA - PH: 98962 93133 | AMBALA - PH: 81685 27236 | SADAR BAZAR - PH: 74283 80133
SONIPAT - PH: 87088 76304 | AMBIENCE MALL - PH: 92666 05028 | YAMUNANAGAR - PH: 73560 98033 | SIRSA - PH: 73564 84033
443 BRANCHES SPREAD ACROSS INDIA, THE MIDDLE EAST & THE USA | FOR MORE DETAILS CONTACT US ON TOLL FREE NUMBER: 1800 425 7333
WWW.KALYANJEWELLERS.NET | FOLLOW US ON | BUY ONLINE @ WWW.CANDERE.COM | FOR FRANCHISE ENQUIRIES WRITE TO FRANCHISEE.ENQUIRY@KALYANJEWELLERS.NET